@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 100 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'घूसखोर पंडत' पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

अभिव्यक्ति की आजादी किसी वर्ग को अपमानित करने का लाइसेंस नहीं

● अदालत ने इस मामले को सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ बताते हुए सख्त रुख अपनाया

एजेंसी
नई दिल्ली । नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडत' को लेकर उठा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। अदालत ने इस फिल्म के टाइटल और कंटेंट को गंभीर मानते हुए फिल्म निर्माता को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब यह नहीं कि उसके नाम पर किसी समुदाय या वर्ग विशेष को नीचा दिखाया जाए। अदालत ने इस मामले को सामाजिक सौहार्द से जुड़ा हुआ बताते हुए सख्त रुख अपनाया है।

फिल्म के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी), और फिल्म के निर्माता-निर्देशक नीरज

पांडे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल एक फिल्म या उसके नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे समाज में पड़ने वाले व्यापक प्रभाव जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई 19 फरवरी को तय की है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समुदाय के किसी भी हिस्से को बदनाम करने का लाइसेंस नहीं है। ऐसे नाम देश में अशांति पैदा कर सकते हैं, खासकर तब जब समाज पहले से ही कई तरह के तनाव और विभाजन का सामना कर रहा हो। कोर्ट ने कहा, ''जब समाज में इतनी दरारें हैं, तो हम हाथ पर हाथ धरे कैसे बैठ सकते हैं?''

अदालत ने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में धर्म, जाति और समुदायों के बीच संतुलन बनाए रखना संवैधानिक जिम्मेदारी है। संविधान निर्माताओं ने देश में भाईचारा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया था, ताकि विविधता के बावजूद सामाजिक एकता बनी रहे। ऐसे में फिल्मों और रचनात्मक माध्यमों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

● फिल्म निर्माता की ओर से अदालत को बताया गया कि विवाद के बाद फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया से हटा लिया गया है और फिल्म का नाम बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

● मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी की

एजेंसी
नागपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी की। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ही होने चाहिए। भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के 22वें वार्षिक अधिवेशन और 'रोल ऑफ कैनाइन इन वन हेल्थ: बिल्डिंग पार्टनरशिप्स एंड रिजॉल्विंग चैलेंजेज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इसका आयोजन आईएसएसीपी, महाराष्ट्र एनिमल एंड फिशरी साइंसेज यूनिवर्सिटी (एमएएफएसयू), नागपुर और नेशनल एसोसिएशन फॉर वेलफेयर ऑफ एनिमल्स एंड रिसर्च (एनएडब्ल्यूएआर) ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन की शुरुआत में भागवत ने कहा, 'मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान

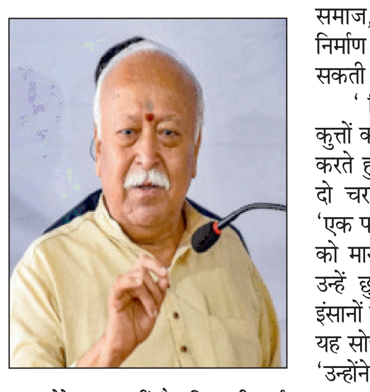

अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं आभारी हूं।'

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। मोहन भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मानने की सोच को गलत बताते हुए कहा, 'पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है।

'दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, 'एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तो यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें। 'उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देते हुए कहा, 'कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं।' भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

भगवंत सिंह मान ने इस पहल को एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के निपटारे का सबसे बेहतरीन ढंग बताया

कौमी पत्रिका
चंडीगढ, 12 फरवरी। आम लोगों से सीधा संपर्क बनाए रखने संबंधी अपनी गतिविधियों को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर में अपने निवास स्थान पर 'लोक मिलनी' कार्यक्रम आयोजित कर यहां के नागरिकों से मुलाकात की और उनकी शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया। इस पहल को एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां राज्य का मुखिया व्यक्तिगत रूप से लोगों से मिलकर उनके मुद्दों का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित करता है। इस बात पर जोर देते हुए कि 'आप' सरकार पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ लोगों की हर समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनी कार्यक्रम सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पुल के रूप में काम करता है, जो जवाबदेह और पारदर्शी शासन को सुनिश्चित करता है, और इसे आगे भी इसी तरह जारी रखा जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों का निपटारा करने और सुचारू शासन संबंधी जनता से फीडबैक लेने के

लिए सबसे बेहतरीन तरीकों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में शायद ही कहीं ऐसी नागरिक-केंद्रित पहल देखने को मिले। उन्होंने कहा कि देश भर में ऐसा कोई अन्य राज्य नहीं है जो आम जनता की भलाई के लिए ऐसी लोक-केंद्रित पहल कर रहा हो। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड पर है कि लोक मिलनी कार्यक्रम समाज के हर वर्ग की शिकायतों के निपटारे में अधिक लाभदायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोक मिलनी वास्तव में एक अनोखी पहल है जहां सरकार लोगों की समस्याओं के योजनाबद्ध समाधान के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क करती है। इस पहल को पंजाब के लिए गर्व की बात बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां राज्य का मुखिया जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऐसी मुहिम में व्यक्तिगत रूप से शामिल होता है। उन्होंने कहा कि जहां लोक मिलनी एक तरफ राज्य के सर्वांगीण विकास और लोगों की भलाई सुनिश्चित करती है, वहीं दूसरी तरफ सरकार को अपने अधिकारियों की कार्यक्षमता के बारे में अच्छी तरह जानने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है क्योंकि किसी अन्य राज्य के मुख्यमंत्री लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं को जानने और उनके समाधान की कोशिश नहीं करते। इस बात पर जोर देते हुए कि यह पहल पक्षपातपूर्ण विचारों से कहीं ऊपर की बात है।

शेष पृष्ठ 3 पर

अजित पवार विमान हादसे की जांच पर संजय राउत के गंभीर सवाल

● कहा- एजेंसियां समझौता कर चुकी हैं

एजेंसी
मुंबई । महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को जांच पर सवाल उठाते हुए इसे संदिग्ध बताया। उन्होंने एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार के 'षड्यंत्र' और 'तोड़फोड़' के आरोपों का भी समर्थन किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संजय राउत ने केंद्र और राज्य की जांच एजेंसियों को घेरा। उन्होंने कहा, 'इस राज्य और देश की जांच एजेंसियां समझौता कर चुकी हैं। चाहे ईडी हो, सीबीआई हो, आईबी हो या राज्य पुलिस, जनता का इन पर से भरोसा उठ चुका है।' राउत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में बड़े मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं होती। जांच लगातार सत्ता में बैठे लोगों को बचाने के लिए पक्षपातपूर्ण तरीके से की जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि

हादसे में शामिल विमान गुजरात से आया था, जिससे लोगों के मन में संदेह पैदा हुआ है। लोगों का शक करना स्वाभाविक है। जिस विमान में अजित दादा सवार थे, वह भी गुजरात से आया था। अहमदाबाद विमान हादसे को देखिए, लगभग 300 लोग मारे गए, लेकिन उसकी जांच का क्या हुआ? कोई बता सकता है कि वह विमान कैसे गिरा? उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की जांच एजेंसियों पर भरोसा करने की अपील को खारिज करते हुए यह सवाल उठाया। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भी अपील की कि वे रोहित पवार के आरोपों को गंभीरता से लें और उन्हें राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज न करें। रोहित पवार तथ्यों के साथ विस्तृत जानकारी रख रहे हैं। अगर अजित दादा के निधन पर शोक सच्चा है, तो शिंदे को रोहित पवार और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक बुलानी चाहिए।

ज्ञान को कर्म में बदलें, यही दीक्षांत का सच्चा संदेश : हरिभाऊ बागडे

जोधपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए चरण की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान को कर्म में बदलते हुए राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। राज्यपाल ने कहा कि जिस समाज में बेटियां आगे बढ़ती हैं, वही समाज तेजी से विकास करता है–यह गर्व का विषय है कि आज स्वर्ण पदकों में बड़ी संख्या में बेटियां अग्रणी रही हैं। राज्यपाल बागडे गुरुवार को जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की शिक्षा परंपरा सदियों से समग्र विकास, नैतिक मूल्यों और आत्मबोध पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि हमारे वेद, उपनिषद और गुरुकुल प्रणाली ने केवल विद्या नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा दी है।

भारत ने पहली बार मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स-154 की कमान संभाली

● इसे भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के रूप में माना जा रहा है

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र और उससे भी आगे समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण के लिए पहली बार बहुराष्ट्रीय संयुक्त कार्य बल (सीटीएफ) 154 की कमान संभाल ली है। इसे भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के रूप में माना जा रहा है।

कमांड संभालने पर भारतीय नौसेना का मकसद उच्च प्रभावी प्रशिक्षण पहल प्रदान करना और शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए वैश्विक समुद्री साझीदारी को मजबूत बनाना शामिल है। मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स संभालने वाले समारोह का आयोजन 11 फरवरी को बहरीन के मनामा स्थित संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) मुख्यालय में हुआ, जिसकी अध्यक्षता अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल कर्ट रेनशॉ ने की। इस

अवसर पर भारत के उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती और अन्य सदस्य देशों के वरिष्ठ सैन्य प्रमुख उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में इटली की नौसेना के कमोडोर एंड्रिया बिएली ने मल्टीनेशनल मैरीटाइम ट्रेनिंग टास्क फोर्स की कमान भारतीय नौसेना के कमोडोर मिलिंद मोकाशी को सौंप दी। वाइस एडमिरल रेनशॉ ने कहा कि कोमोडोर बिएली के नेतृत्व में सीटीएफ-154 की इटली की पहली कमांड के दौरान इस टास्क फोर्स ने बड़ी सफलता हासिल की है।

राहुल गांधी अपने खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव के सवाल को लेकर *पत्रकारों पर भड़के*

● 'आप पूरी तरह से भाजपा के लिए काम नहीं करते। कम से कम थोड़ी 'उद्देश्यपूर्ण' रिपोर्टिंग करने की कोशिश करें'।

एजेंसी
नई दिल्ली । संसद में विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुरुवार को पत्रकारों पर भड़क गए। उन्होंने पत्रकारों से अपने काम में 'उद्देश्यपूर्ण बने रहने' और अपने पेशे की पवित्रता बनाए रखने को कहा। राहुल गांधी के भाषण को लेकर सत्तापक्ष की तरफ से लोकसभा में विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की चर्चाएं थीं। हालांकि, बाद में सत्तापक्ष ने इस प्रस्ताव को लाने से साफ इनकार कर दिया। जब राहुल गांधी से विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर सवाल पूछा गया, तो वे मीडिया के कुछ लोगों पर भड़क गए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'आप पूरी तरह से भाजपा के लिए काम नहीं करते। कम से कम थोड़ी 'उद्देश्यपूर्ण' रिपोर्टिंग करने की कोशिश करें। आप जिम्मेदार लोग हैं। आप मीडिया वाले हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप 'उद्देश्यपूर्ण' रहें। आप हर दिन उनके (भाजपा) दिए गए एक शब्द पर अपना पूरा शो नहीं चला सकते।'

बुधवार को, लोकसभा में उस समय विरोध हुआ जब राहुल गांधी ने सरकार की तीखी आलोचना की, जिसमें उन्होंने विदेशी ताकतों के सामने सरेंडर करने और 'भारत माता' को बेचने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के इस तीखे हमले का सत्तापक्ष ने विरोध किया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की भाषा को असंसदीय बताते हुए आपत्ति जताई।

वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल जेट्स खरीदने को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

● सीसीएस से अंतिम मंजूरी के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे पर डील होगी पक्की

एजेंसी
नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदे जाने को गुरुवार को मंजूरी दे दी। इसमें 18 विमान सीधे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी से निर्मित होकर भारत आएंगे। शेष 96 विमान भारत में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। इनमें से कई ट्विन-सीटर ट्रेनिंग वर्जन भी होंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) देगी। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आज डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के

साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। अब इस सौदे के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे।

● वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक दिन पहले ही प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया, जिसमें राफेल एक 'हीरो' था।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली जमानत

● अब 16 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी
नई दिल्ली । चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की जमानत याचिका पर आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की तमाम दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई को सोमवार 16 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी। इससे पहले कोर्ट ने राजपाल यादव से कहा कि हमने आपको दो दर्जन से अधिक मौके दिए। साथ ही कोर्ट ने दूसरे पक्ष से भी जमानत याचिका पर जवाब मांगा है। बार एंड बेंच के अनुसार, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दूसरी पार्टी से भी जमानत याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। अदालत ने कहा, 'शिकायतकर्ता को जवाब दाखिल करना होगा। जब मैं फाइल देख रहा था, तो मुझे कई ऐसी बातें पता चलीं जिनके बारे में हमें जानकारी भी नहीं थी।

ऑपरेशन लोटस के तहत भाजपा ने दिया बड़ा ऑफर: नरिंदर कौर भराज

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़, 12 फरवरी। संगरूर से आम आदमी पार्टी की विधायक नरिंदर कौर भराज ने एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक धमारे करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। भराज ने खुलासा किया कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस के तहत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनसे संपर्क साधा और बंद कमरे में मीटिंग करने सहित भाजपा की टिकट दिलाने और मनमानी शर्तें पूरी करने का बड़ा ऑफर दिया। गुरुवार को पार्टी ऑफिस में स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरिंदर कौर भराज ने कहा कि भाजपा देश भर में चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए ऑपरेशन लोटस चला रही है। हाल ही में हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की। उन्होंने मुझे संगरूर से भाजपा की टिकट देने का लालच दिया और कहा कि मेरी जो भी मांग है, वह पूरी की जाएगी। भराज ने आगे कहा कि वह 2014 में सिर्फ 19 साल की उम्र में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा कि मैं वो कार्यकर्ता हूं जिसने पार्टी के लिए पोस्टर लगाए हैं। एक छोटे किसान की बेटी को 27 साल की उम्र में विधायक बनाने का सम्मान सिर्फ़ आम आदमी पार्टी ही दे सकती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री पर सीधा हमला करते हुए भराज ने कहा कि सैनी साहब आजकल जिस तरह पंजाब की गलियों में घूम रहे हैं, उससे लगता है कि भाजपा ने उन्हें डेपुटेशन पर पंजाब भेजा है। मेरी उन्हें सलाह है कि मेरी चिंता करना छोड़ दें और अपने हरियाणा की चिंता करें। पंजाब की जनता और आप विधायक चट्टान की तरह मान साहब और केजरीवाल जी के साथ खड़े हैं। विधायक ने साफ़ किया कि आम आदमी पार्टी का हर वर्कर, विधायक और मंत्री एकजुट है। हम सिस्टम बदलने, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएँ देने के लिए राजनीति में आए हैं, ना कि सौदेबाजी करने के लिए। हम 2027 के चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं और भाजपा की ऐसी गंदी चालें हमें गिरा नहीं सकतीं। आप पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा एक बार फिर ऑपरेशन लोटस के ज़रिए पंजाब में लोकतंत्र को कमज़ोर करने की नाकाम कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब भाजपा ने हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की है, लेकिन वे भूल जाते हैं कि पंजाबी अपनी शान के लिए जाने जाते हैं, बिकने के लिए नहीं। पन्नू ने नायब सैनी पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सैनी साहब को अपना हरियाणा मॉडल रखना चाहिए, जहां जनता महंगी बिजली से परेशान है। पंजाब में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान का मॉडल चल रहा है, जहां फ्री बिजली और एसएसएफ जैसी सुविधाएं हैं, जो आपके फ्लॉप हरियाणा मॉडल में कहीं नहीं दिखतीं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार के चार साल पूरे होने वाले हैं, लेकिन भाजपा के चकाचौंध और अरबों रुपये के ऑफर हमारे एक भी विधायक को हिला नहीं पाए। आम आदमी पार्टी के विधायक आम परिवारों के वो बेटे-बेटियां हैं जिन्हें पुरानी पार्टियां कभी मटीरियल तो कभी बैंड-वाजे वाले कहकर बदनाम करती रही हैं। उन्होंने भाजपा को चेतावनी दी कि वे किसी और राज्य में जाकर यह बिकाऊ का साइन लगाएं, क्योंकि पंजाब का न तो कोई विधायक बिकाऊ है और न ही कोई वर्कर।

शेष पृष्ठ 3 पर

लैम्बोर्गिनी कार हादसा : आरोपी शिवम मिश्रा गिरफ्तार, कानपुर पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

कानपुर (एजेंसी)। शहर की सड़कों पर फर्राटा भरती रफ्तार आखिरकार कानून के स्पीड ब्रेकर से टकरा ही गई। ग्वालटोली की वीआईपी रोड पर हुए लैंबोर्गिनी हादसे के आरोपी शिवम मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया। तेज रफ्तार कार से छह लोगों को घायल करने वाली यह घटना अब 'हाई-प्रोफाइल रफ्तार बनाम आम सड़क' की कहानी बन गई है। हादसे के बाद आरोपी के पिता ने बेटे के दिल्ली में इलाज का दावा किया, लेकिन पुलिस की 'लोकेशन सर्विस' कुछ और ही बता रही थी। करीब 90 घंटे की तलाश के बाद स्पेशल टीम ने शिवम को कानपुर से ही पकड़ लिया। इस बीच शहर में चर्चा यही रही कि रफ्तार भले ही सुपरकार की हो, गिरफ्तारी लोकल ही होती है। चश्मदीदों के मुताबिक, कार ने पहले ऑटो को टक्कर मारी, फिर मोटरसाइकिल से जा भिड़ी और एक सवार हवा में उछल गया। हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है क्या, महंगी गाड़ी के साथ सड़क पर 'अतिरिक्त अधिकार' भी मिल जाते हैं? जवाब साफ है- ट्रैफिक नियमों में ब्रांड का कोई कॉलम नहीं होता। पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में कार्रवाई तेज रही। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

महाशिवरात्रि पर दरगाह में पूजा रोकने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक की लाडले मशक दरगाह परिसर में पूजा की रोक वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार किया। याचिका में महाशिवरात्री पर होने वाली पूजा पर रोक लगाने की मांग की हुई थी। यह दरगाह 14वीं सदी के सूफी संत और 15वीं सदी के हिंदू संत राघव चैतन्य से जुड़ी मानी जाती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि मामला कर्नाटक हाईकोर्ट में लंबित है इसलिए संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती। इससे पहले फरवरी 2025 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 हिंदू श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि के अवसर पर राघव चैतन्य शिवलिंग पर पूजा की अनुमति दी थी। 2022 में इस स्थल को लेकर विवाद हुआ था।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में जादू-टोना के शक में दो की हत्या, हिरासत में आरोपी

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर आई है। जहां जादू-टोने के शक में दो लोगों की हत्या की गई है। वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर चबूतरे पर एक साथ कई नारियल और कुल्हाड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंतरवा गांव में छत्रपति सिंह की शादी के बाद संतान नहीं थी और पत्नी को गर्भपात हो गया था। इसके लिए वह पड़ोसी केवल सिंह और फूलमती को जिम्मेदार मानता था। उसका कहना था कि इन दोनों के जादू-टोना करने के चलते वह पिता नहीं बन पा रहा है। इस बात को लेकर छत्रपति ने केवल सिंह और फूलमती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया। इस दौरान दो लोग बीच बचाव के लिए आए, तब उन पर भी छत्रपति ने हमला किया। परिणाम स्वरूप केवल सिंह और फूलमती की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं, गांव के लोगों का कहना है कि छत्रपति शादी के बाद जब पिता नहीं बना और पत्नी को गर्भपात हो गया। वह इसके लिए पड़ोसियों पर आरोप लगाता था। छत्रपति को शक था कि पड़ोसियों ने जादू-टोना किया है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी छत्रपति सिंह ने अपने को एक मकान में कैद कर लिया। पुलिस को जब इस बात की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लिया गया।

3 बहनों की खुदकुशी के मामले में आया नया मोड़, पुलिस ने बरामद किया पिता का फोन

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में तीन सगी बहनों द्वारा 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस की जांच अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। पुलिस ने वह मोबाइल फोन बरामद किया है, जो कि लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने घटना से करीब 15 दिन पहले दिल्ली के शालीमार गार्डन में एक दुकानदार को बेच दिया था। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिष पाटिल के अनुसार, मोबाइल का डेटा रिकवर करना जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शुरुआती बयानों से संकेत मिले हैं कि 16 वर्षीय निशिका, 14 वर्षीय प्राची और 12 वर्षीय पाखी किसी ऑनलाइन कोरियन गेम की आदी थीं। पिता का दावा है कि ये लड़कियां पिछले 3 साल से इस गेम में इस कदर डूबी हुई थीं कि उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया था। पुलिस अब फॉरेंसिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह कोई टास्क-आधारित गेम था जिसने उन्हें इस आत्मघाती कदम के लिए उकसाया। घटनास्थल से मिली 9 पन्नों की एक डायरी ने इस त्रासदी के पीछे के पारिवारिक तनाव और सांस्कृतिक टकराव को उजागर किया है। डायरी से मिली मुख्य बातें निम्नलिखित हैं कि लड़कियों ने बार-बार लिखा कि वे कोरियन संस्कृति से प्यार करती हैं और इस अपनी जिंदगी मानती थीं। डायरी के अनुसार, परिवार उन पर कोरियन प्रभाव छोड़ने और भारतीय रीति-रिवाजों को अपनाने का दबाव बना रहा था। पिता द्वारा फोन बेचे जाने के बाद लड़कियां गहरी निराशा में थीं। उनका अपने ऑनलाइन कोरियन दोस्तों से संपर्क टूट गया था। डायरी में मारपीट और सख्त सजा का भी जिक्र है। लड़कियों ने आखिरी संदेश में लिखा, आपकी मार से हमारे लिए मौत बेहतर है... सॉरी पापा।

फिलहाल पुलिस मोबाइल डेटा और डायरी के पन्नों का मिलान कर रही है। हालांकि शुरुआती जांच में किसी विशिष्ट सुसाइड ऐप के ठोस सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन फोन की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इस दर्दनाक कदम के पीछे असली वजह ऑनलाइन गेमिंग थी या घरेलू परिस्थितियां। 4 फरवरी को हुई इस घटना ने डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक स्थिति और माता-पिता के साथ उनके संवाद की कमी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी कर दी। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के निर्देश पर तय होने चाहिए। संघ प्रमुख भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपने संबोधन की शुरुआत में आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मनाने की सोच को गलत बताकर कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है।

दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तब यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें।

उन्होंने वैज्ञानिक और व्यावहारिक समाधान पर जोर देकर कहा, कुत्तों की संख्या नसबंदी के जरिए नियंत्रित की जा सकती है। इंसानों के लिए जोखिम कम करने के कई उपाय हैं। ये भावनाओं से नहीं, ज्ञान से निकले समाधान हैं। भागवत ने बताया कि उनके विचार उनकी वेटरिनरी पृष्ठभूमि से प्रभावित हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप, स्वामी ने बताया षड्यंत्र

प्रयागराज (एजेंसी)। माघ मेले में विवादों में रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने उनकी सेवा में लगे आश्रम के बच्चों के साथ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर उन्होंने प्रयागराज जिला कोर्ट में 28 जनवरी को 173(4)के तहत कंप्लेंट रजिस्टर करने के लिए अर्जी दाखिल की है। इस अर्जी पर अब तक दो तारीखों पर एडीजे रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट में सुनवाई भी हो चुकी है। इस मामले में वादी आशुतोष ब्रह्मचारी के कोर्ट में बयान दर्ज हो चुके हैं। कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया है कि माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था। जिसने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर कुकर्म का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि जो बच्चा बालिग हो गया है उसके साथ कुकर्म की घटना उस समय हुई थी, जबकि वह नाबालिग था। आरोप लगाया गया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिष्य ही इन बच्चों पर गुरु सेवा के नाम पर संबंध बनाने का दबाव बनाते थे। बच्चों को यह समझाते थे कि इससे उन्हें आशीर्वाद मिलेगा। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि कोर्ट ने इस मामले में झूंसी थाना पुलिस से रिपोर्ट भी मांगी थी। लेकिन कोर्ट पुलिस की रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हुई और कोर्ट ने अगली तारीख 13 फरवरी की लगाई है।

वहीं इस मामले में वाराणसी में मौजूद ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी मीडिया से बात कर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने और गौ हत्या बंद करने को लेकर उनके अभियान के चलते उन्हें जानबूझकर फंसाया जा रहा है और उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं जिनकी सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन हम लोगों ने सभी प्रमाण कोर्ट के सामने रख दिए हैं।

पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, सीएम ममता हुईं दुखी व आक्रोशित

–बोलीं– एक युवक को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुणे में हुई बंगाल के मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम बताते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 साल का प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई। ममता ने कहा कि यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। सुखेन के परिवार से कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बता दें यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों, खासकर बीजेपी शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर हमलों के मुद्दे पर आवाज उठाई है। वह पहले भी देशभर में बंगाली भाषी लोगों के साथ उत्पीड़न के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरती रही हैं।

पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम सुखेन महतो है और वह पुरुलिया के बंडवान का रहने वाला था। बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर पुलिस थाने के अंतर्गत कोरेगांव भीमा क्षेत्र से उसका शव मिला था। आरोप है कि उसे बंगाली में बात करने के कारण पीट-पीटकर मार डाला। इस मामले में उसके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि सुखेन 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। वह कोरेगांव भीमा के पास सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में काम करता था। उसका शव उसी इलाके से बरामद हुआ।

सरमा एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं, उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगे

एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने लगाया आरोप

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के एक कथित शूटिंग वीडियो को लेकर राज्य की राजनीति में विवाद बढ़ता जा रहा है। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सीएम सरमा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर कहा कि वे एक दिन भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सरमा को चुनाव लड़ने से भी रोका जाए। अजमल का आरोप है कि पिछले छह महीनों से एक समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। 7 फरवरी को साझा किए गए वीडियो में मुख्यमंत्री दो मुस्लिम व्यक्तियों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। यह वीडियो बाद में हटा लिया गया, लेकिन विवाद बढ़ गया।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने भी मामले में दिसपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि असम बीजेपी के आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से साझा किया गया वीडियो भड़काऊ और सांप्रदायिक है। वीडियो में कथित रूप से 'विदेशियों से मुक्त असम, कोई रहम नहीं' और 'तुम पाकिस्तान क्यों नहीं चले गए?' जैसे वाक्य लिखे थे। कांग्रेस का कहना है कि इसतरह के शब्द राज्य के बंगाली मूल के मुसलमानों को निशाना बनाते हैं, जिन्हें अक्सर 'मिया' या 'बांग्लादेशी' कहकर संबोधित किया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस मुद्दे पर सीपीआई(एम) नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मुख्यमंत्री के खिलाफ निर्देश जारी करने की मांग की है। वरिष्ठ वकील ने मामले की त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया, जिस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि सुनवाई की तारीख दी जाएगी। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी हैदराबाद में शिकायत दर्ज कर वीडियो को नफरत फैलाने वाला बताया और आपराधिक कार्रवाई की मांग की। वहीं, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आरोपों से इंकार कर कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, तब उन्हें

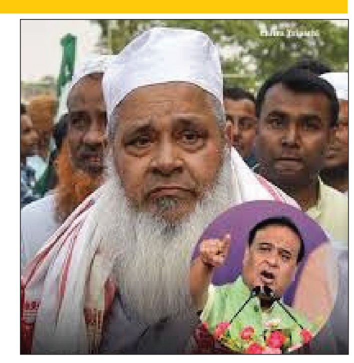

गिरफ्तार किया जा सकता है, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अपने रुख पर कायम रहने की बात दोहराई।

एआईएमआईएम नेता का हिंदू संगठनों पर तंज.... हिंदू भाई 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करें

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। एआईएमआईएम (एआईएमएआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली मुजफ्फरनगर पहुंचे, जहां उन्होंने दो नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि देश की आबादी बढ़ने से राष्ट्र मजबूत होता है। शौकत अली ने हिंदू संगठनों के चार बच्चे पैदा करने वाले बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि हिंदू भाइयों को 4 नहीं बल्कि 14 बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देकर तर्क दिया कि चीन अपनी विशाल आबादी के कारण ही हमसे अधिक मजबूत है, इसलिए भारत को भी अपनी जनसंख्या बढ़ानी चाहिए। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम से हो रहे निर्माण पर शौकत अली ने कहा कि संविधान किसी भी नाम से धार्मिक स्थल बनाने की अनुमति देता है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कोई अपने बेटे का नाम बाबर रखकर काम शुरू करे, तब क्या उस लाइसेंस नहीं मिलेगा? शौकत ने आरोप लगाया कि देश में दाढ़ी, टोपी और गौश्त के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। उनके अनुसार, यदि सरकार को जनसंख्या से आपत्ति है, तब वह हम दो हमारे दो का कानून लेकर आए।

असम में मुस्लिम बहुल जिलों में बढ़े वोटर, आदिवासी क्षेत्रों में घटे, 2.43 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के समापन के बाद मंगलवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस नई सूची में बड़े पैमाने पर फेरबदल देखने को मिला है, जहां मसौदा सूची की तुलना में कुल 2.43 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह कमी मसौदा सूची के कुल नामों का लगभग 0.97 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के 35 जिलों में से 24 जिलों में मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 11 जिलों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

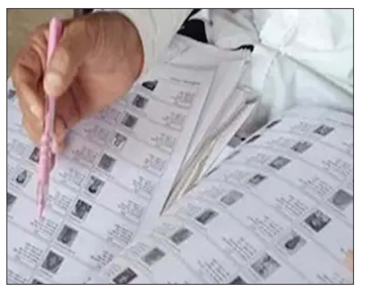

आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय पैटर्न सामने आया है। राज्य के अधिकांश मुस्लिम-बहुल जिलों में मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इसके विपरीत, बहुसंख्यक आदिवासी आबादी वाले तीन पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके साथ ही कामरूप और गुवाहाटी शहर वाले कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिलों में भी मतदाताओं की संख्या कम हुई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने एक त्रुटि मुक्त मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम किया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि जब भी किसी राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण होता है, तो अक्सर इसी तरह की कमी देखने को मिलती है। इस पूरे घटनाक्रम पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले समय में विशेष पुनरीक्षण के दौरान और भी संदिग्ध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि तमाम डराने-धमकाने और धमकियों के बावजूद उन्होंने संदिग्ध नामों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराईं, जिसका परिणाम इस सूची में दिखाई दे रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि स्वयं मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र जलुकबाड़ी में भी मतदाताओं की संख्या में बड़ी कमी आई है। जलुकबाड़ी, जहां से सरमा पांच बार विधायक रहे हैं, वहां करीब 2.11 लाख मतदाताओं में से 4,310 नाम हटा दिए गए हैं। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में प्रकाशित मसौदा सूची में यहां 2,10,624 नाम थे, जो अब घटकर 2,06,314 रह गए हैं। इस क्षेत्र में कुल 2.05 प्रतिशत नाम हटाए गए हैं, जिनमें 2,754 पुरुष, 1,555 महिलाएं और एक तृतीय लिंग मतदाता शामिल है। अंतिम सूची के अनुसार अब इस क्षेत्र में 97,653 पुरुष और 1,08,654 महिला मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि इस प्रक्रिया से राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, हालांकि आदिवासी और मैदानी इलाकों के बीच आंकड़ों का यह असंतुलन आने वाले समय में राजनीतिक चर्चा का विषय बन सकता है।

पूर्व सेना प्रमुख की किताब लीक मामले में आपराधिक साजिश की एफआईआर दर्ज, विदेशों तक पहुंची जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) एमएम नरवणे की संस्मरण पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के लीक होने का मामला अब एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय साजिश के रूप में उभर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस पुस्तक को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस के बिना एक सोची-समझी रणनीति के तहत सार्वजनिक किया गया। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि किताब का डिजिटल संस्करण भारत से पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और अमेरिका जैसे देशों में सर्कुलेट हुआ और वहां की ऑनलाइन वेबसाइटों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया गया। तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि लीक हुई कॉपी को सबसे पहले डोमेन एक्सटेंशन वाले एक प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया

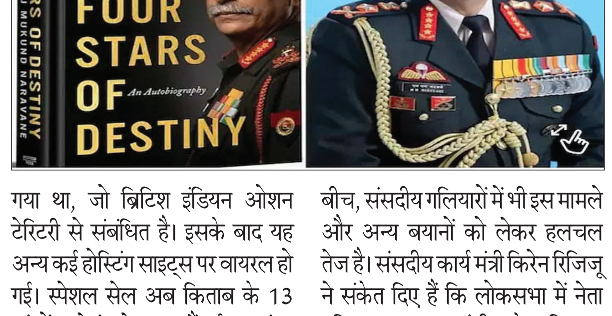

गया था, जो ब्रिटिश इंडियन ओशन टेरिटरी से संबंधित है। इसके बाद यह अन्य कई होस्टिंग साइट्स पर वायरल हो गई। स्पेशल सेल अब किताब के 13 अंकों वाले इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर (आईएसबीएन) की गहनता से जांच कर रही है। विदेशी वेबसाइटों पर जो आईएसबीएन कोड मिला है, वह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया द्वारा इसी किताब के लिए जारी किए गए कोड से मेल खाता पाया गया है। इस संबंध में प्रकाशक से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बिना आधिकारिक अनुमति के यह विवरण विदेशी बाजार तक कैसे पहुंचा। इसी बीच, संसदीय गलियारों में भी इस मामले और अन्य बयानों को लेकर हलचल तेज है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जा सकता है। सरकार का आरोप है कि उन्होंने सदन में निराधार बयान देकर सदस्यों को गुमराह किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव कब पेश होगा, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों का पूरा ध्यान पूर्व आर्मी चीफकी किताब से जुड़े डेटा लीक के पीछे के विदेशी कनेक्शन को बेनकाब करने पर है।

वंदे मातरम को सभी 6 छंदों के साथ गाना अनिवार्य... मदनी का आरोप, ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला

–वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य, सिख संगठन ने भी जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने का विरोध किया है। मुसलमान संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार का ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है।

उलेमा-ए-हिंद ने मोदी सरकार के आदेश को एकतरफा और मनमाना बता दिया है। जमीयत के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने पोस्ट में कहा कि मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन गाने के कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं। ये हमारी धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ हैं।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य होगा। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

इस पर नाराज मदनी ने कहा कि एक मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की पूजा करता है, इसलिए मुसलमान को यह गाना गाने के लिए मजबूर करना संविधान के आर्टिकल 25 और सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का साफ उल्लंघन है। इस गाने को जरूरी बनाना और नागरिकों पर थोपने की कोशिश देशभक्ति का इजहार नहीं है, बल्कि यह चुनावी राजनीति, एक सांप्रदायिक एजेंडा और बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है। देश के लिए प्यार का असली पैमाना नारों में नहीं, बल्कि किरदार और कुर्बानी में है। इसकी शानदार मिसालें मुसलमानों और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक संघर्ष में खास तौर पर देखी जा सकती हैं।

वहीं सिख संगठन दल खालसा ने वंदे मातरम अनिवार्य करने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। उन्होंने इस आदेश को सिख पहचान व धार्मिक भावनाओं के खिलाफ बताया है। दल खालसा के नेता कंवरपाल सिंह बिट्टू ने कहा कि यह फैसला भारतीयता के नाम पर हिंदुत्व विचारधारा को सिख समुदाय पर थोपने का प्रयास है। सिख होने के नाते हम इस फैसले को स्वीकार नहीं करने वाले है। यह निर्णय सिख समुदाय की भावनाओं और उनकी धार्मिक पहचान के विपरीत है।

भगवंत सिंह मान ने इस पहल को एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के निपटारे का सबसे बेहतरीन ढंग बताया

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनियों का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र उद्देश्य राज्य और यहां के लोगों के विकास और खुशहाली को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लोक मिलनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम हैं, क्योंकि ये सरकार और जनता के बीच संचार के अंतराल को भरते हुए लोकतांत्रिक ढांचे के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने का बेहतरीन तरीका हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार लोगों की भलाई के लिए अथक मेहनत कर रही है, जिसके लिए राज्य में पहले ही कई प्रमुख पहल की जा चुकी हैं। नौजवानों के सशक्तिकरण पर सरकार के ध्यान को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार का काम नौजवानों के सपनों को पंख देना होता है ताकि वे जीवन में सफलता की नई कहानियां लिख सकें। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा हस्ताक्षर की जाने वाली हर फाइल आम आदमी और राज्य के लाभ के लिए होती है। उन्होंने कहा कि नौजवानों को भ्रष्टाचार या सिफारिश के बिना 63,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर फैसला राज्य की तरक्की और यहां के लोगों की खुशहाली की ओर लक्षित होता है। शिक्षा सुधारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य भर में स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, पूरी तरह सुसज्जित लैबोरेटरी और वैज्ञानिक शिक्षा के लिए प्ले-ग्राउंड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की विशेषज्ञता को निखारने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत शिक्षकों और प्रिंसिपलों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आधुनिक शिक्षा अभ्यासों से परिचित होकर छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भविष्य के मुकाबलों के लिए तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब ने भारत सरकार द्वारा करवाए गए नेशनल अचीवमेंट सर्वे में केरल को भी पीछे छो?कर पहला स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य के छात्रों को सशस्त्र बलों की परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ नीट, जेईई, क्लैट और एनआईएफटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि स्कूल ऑफ एमिनेंस और अन्य सरकारी स्कूलों के छात्रों ने जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड और नीट परीक्षाओं में क्वालीफाई किया है। उन्होंने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण कदम में राज्य के सभी 65 लाख परिवारों के लिए 10 लाख रुपये तक के नकद रहित इलाज के साथ मुख्यमंत्री सेहत योजना शुरू की गई है। स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की पहलों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के तहत आय की कोई शर्त नहीं लगाई गई है और अब सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी इस योजना में शामिल किया गया है, जिससे पंजाब समग्र नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि 881 आम आदमी क्लीनिक रोजाना मुफ्त इलाज प्रदान कर रहे हैं और वर्ष 2022 में राज्य सरकार के सत्ता संभालने से लेकर राज्य के लगभग 90 प्रतिशत परिवारों को मुफ्त बिजली दी जा रही है। किसानों के लिए सुविधाओं और मजबूत बुनियादी ढांचे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार धान के सीजन के दौरान ट्यूबवेलों को दिन में भी आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 6900 किलोमीटर लंबाई वाले 18349 जल मार्गों को पुनर्जीवित कर टेल पर रहने वाले किसानों को नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में कई सरकारी लाइब्रेरी खोली गई हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र अच्छी प?ाई-लिखाई करके जीवन में ऊंचे मुकाम हासिल कर सकें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज पंजाब हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की कर रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने पंजाब के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व पहलें की हैं। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर से अधिक स?कों के निर्माण का काम पूरे जोर-शोर से चल रहा है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। जनता के लिए राहत उपायों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में 19 टोल प्लाजा बंद कर दिए हैं जिससे आम आदमी की जेब से टोल फीस के रोजाना 64 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि सुचारू स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य भर में 881 आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं जो लोगों को मुफ्त इलाज और दवाइयां प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक राज्य के लोगों से किया हर वादा पूरा किया है। अंत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब राज्य सरकार राज्य की हर महिला को 1000 रुपये देने की योजना जल्द लागू करेगी, जिसके लिए आने वाले बजट में आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों से किया गया हर वादा हर हाल में पूरा किया जाएगा क्योंकि हमारी सरकार सबकी भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र एजेंडा राज्य की तरक्की और यहां के लोगों की खुशहाली को सुनिश्चित करना है।

NAME CHANGE

I Shivram Singh Sengar S/o Kalector Singh Sengar R/o House No. 577, Sector 7, SPO: Gohana, DIST: Sonipat, Haryana-131301, have changed my name to Shivram Singh for all future purposes.

I TAJMOHAMMAD S/O MOHD YUSUF R/O 7598 NEAR MASJID GHANTE WALI, QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO TAJ MOHD FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I Sudhanshu Shekher S/O Krishna Kumar R/0 H No 300 NR. Saini Chopal Mundka PO. New Delhi 110041 Changed my name to Sudhanshu Shekhar

NAME CHANGE

I Ali Mohammad S/O Alla Mahar R/0 R -18 Nala Road Saurabh Vihar Jaitpur Badarpur Delhi 110044 Changed my name to Ali Mohammad

NAME CHANGE

I Sitra W/0 Ali Mohamad R/0 R -18 Nala Road Saurabh Vihar Jaitpur Badarpur Delhi 110044 Changed my name to Sitara Begum

NAME CHANGE

I, KAVITA W/O RAKESH KUMAR ARORA R/O HOUSE NO423/21,STREET NO-7, MADANPURI, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO KAVITA ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, RAKESH KUMAR S/O SUNDER DASS R/O HOUSE NO423/21, STREET NO-7, MADANPURI, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RAKESH KUMAR ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I Gurpreet Kaur Gill W/O Mandeep Singh R/o A-45 Vandana Apartment Sector-13 Rohini Delhi-110085 have changed my name to Gurpreet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHAKEEL AHMED S/o ALI MOHD, R/o H.No. C-182/10-A, Gali No.-2, Chauhan Banger, Seelampur, PO: Seelampur, Distt. North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SHAKEEL AHMAD and ALI AMAHD in my Voter Card No. XPT0441394, and as SHAKEEL AHAMED and ALI AHAMED in my PAN Card No. APJPA8180P, and as SHAQI AHAMED and ALI MOHMMED in my 10th class Educational Documents, and as SHAKEEL AHAMED and ALI AHMED in my Driving Licence No. DL-1320170220211. The actual name of mine and my father are SHAKEEL AHMED and ALI MOHD respectively.

NAME CHANGE

I Nisha Bagga S/o Ram Avtar Gupta R/o, M - 359, 1st floor, Orchid Island, Sector 51, behind Artemis hospital, Gurgaon, Haryana - 1220018 have changed my name to Nisha Gupta for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sunita W/o Mr. Manoj is the absolute owner of Freehold Residential Plot No. 262, area measuring 27 sq. yds. i.e. 22.57 sq. mtrs. out of Khasra No.128, situated at Krishna Vihar Kuti in the area of Village Brahmpur Urf Bhopura, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue, Gift Deed dated 15.07.2025 Vide Doc. no. 8241, Book no.1, Vol.no.12347, Pages No. 327-346, on this dated 15.07.2025, SR- Sadar V, Ghaziabad., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mr. Jagat Singh, (2) Succession Certificate / Letter of Administration passed in the Competent Court of Law in favour of Mr. Manoj S/o Mr. Jagat Singh as the only legal heirs of Lt. Mr. Jagat Singh., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Nisha Kumari and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch:Sector-16 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, MOHD HASAN ALI S/O AYYOOB residing at H No.A-227,3rd Floor,Gali No-1,Babu Nagar DELHI-110094, have changed my name to HASAN ALI

NAME CHANGE

I, Sumanth Kumar Palaparthi S/o Srinivasa Rao P R/o 10-4, Munnangivaripalem, Tsundur, Guntur, Andhra Pradesh-522318 have changed my name to Palaparthi Sumanth Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Ankit s/o Dharambir R/o 82/15, F Kaccha Chamaria Road, Rajeev Nagar, Rohtak, Haryana-124001 have changed my name to Ankit Kumar for all future purposes

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANSI ARORA D/O HEERA LAL NARULA R/O 69-B, DDA LIG Flats, Maya Kunj, Near Shadley Public School, Maya Puri S.O, District: South West Delhi, Delhi-110064 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as HIRA LAL ARORA and ASHA RANI in my 10th & 12th Educational documents and Passport NO-P1926217 and name of my father has been wrongly written as HIRA LAL ARORA in my Pan Card No-AZJPA9863D, and as HEERA LAL in my Aadhar Card No-741406700078. The actual name of my father and my mother are HEERA LAL NARULA and ASHA RANI NARULA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Abdul Rehman SO Aman R/O House Number 333 Purwa Faiyaz Ali , Thana Delhi Gate Meerut City, Meerut Uttar Pradesh 250002, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Mohd Aman and Tamana in my 10th class educational documents. The actual name of my father and my mother are AMAN and TAMANNA, respectively which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

I , Rizwana Khatoon D/O Gufur Mansuri residing at ward no 12 Patti Ahiran Shankar Nagar Khekada Bagpat Uttar Pradesh 250101, Permanent Address ward no 15 village Jogauliya tola palate, Post Rupni Madhuban East champaran,Gulwara, Madhubani Bihar-845420, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced MUSLIM with effect from 05. 11. 2025.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as Mohammad Tasleem alias Mohammad Taslim alias Mohd Tasleem S/O Abdul Rahim R/O 1358 GALI JAKARIYA PHATAK HABASH KHAN, TILAK BAZAR Delhi G.P.O. North Delhi, Delhi- 110006, have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Tasleem.

NAME CHANGE

I Shivram Singh Sengar S/o Kalector Singh Sengar R/o House No. 577, Sector 7, SPO: Gohana, DIST: Sonipat, Haryana-131301, have changed my name to Shivram Singh for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Richa Anand W/o Mr. Rakesh Anand is the absolute owner of Freehold Residential Built up Third Floor, with roof rights of DLF Property Bearing No. A-2/20 (Block-A-2, Property No. 20), area measuring 175 sq. yard., i.e., land area measuring 146.30 sq. mtrs., & constructed plinth area measuring 104.43 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 427, Situated in the Layout of Krishan Nagar in the area of Village Ghondli, Illaqa Shahdara, Delhi 110051. by virtue, Gift Deed Dated 06.05.2022 which is duly regd., as Doc. No. 4273, in Book No. 1, Vol. No. 3173, on Pages. 177-186, on Dated 06.05.2022, SR-IV-B Vivek Vihar New Delhi/Delhi.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Shrimati Indra Vati, (2) Death Certificate of Late Shri Guru Ditta Mal & (3) SMC of Late Shri Rajender Nath & (4) Probate Order of Regd., Will Dated 16.02.2013 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Upasana Sharma and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I hitherto known as Ku Nagma W/o Sahid R/o 49/11, Ganga Vihar, Khora Colony, Khora, Khora Gaon, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201309 have changed my name and shall hereafter be known as Reshma Bee.

NAME CHANGE

I hitherto known as POONAM DEVI W/O ARUN KUMAR R/O HOUSE NO-F-93, GARIMA GARDEN, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as SAVITA PANDEY.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री फारुख अहमद पुत्र श्री जरीफ अहमद, निवासी आजाद मार्केट, कच्ची सराय, मुरादनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट, क्षेत्रफल 46 वर्ग गज, खसरा संख्या 93, स्थित ब्रिज विहार कॉलोनी, गली नंबर 10, ग्राम सहबिस्वा मोदी नगर, परगना जलालाबाद, तहसील मोदी नगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती राधा रानी पत्नी श्री सुनील कुमार को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I LATA legally mother of Army no - 2819732Y, Rank - Sep, Name - JAKHALE GANESH MAHADEV, At - Dhondewadi, Post- Dhondewadi, Teh - Karad, Dist - Satara, State- Maharashtra, Pin - 415104, have changed my name from LATA to LATA MAHADEV JAKHLE for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/26 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I MALTI legally mother of Army no - 2818462H, Rank - Sep, Name - SONWANE DURWAS LAXMAN, At - More nagar, Post- More nagar, Teh - Satana, Dist - Nashik, State- Maharashtra, Pin - 422001, have changed my name from MALTI to MALTI LAXMAN SONAWANE for all future purposes. Vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I JYOTI legally wife of Army no - JC 463436N, Rank - Nb Sub, Name - PARDE SATISH KALYAN, At - Indapur, Post- Indapur, Teh - Washi, Dist - Dharashiv, State- Maharashtra, Pin - 413525 have changed my name JYOTI to JYOTI SATISH PARDE and my date of birth from 11/02/1992 to 02/11/1992 for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Kalyan legally father of Army no - JC 463436N, Rank - Nb Sub, Name - PARDE SATISH KALYAN, At - Indapur, pPost- Indapur, Teh - Washi, Dist - Dharashiv, State- Maharashtra, Pin - 413525, have changed my name From KALYAN TO KALYAN HARIBA PARADE for All future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SANGITA, is legally mother of Army No. 2824024W, Rank – Sep, Name – SAWKAR SUNIL MAHENDRA, presently residing at Vill – Joran, Post – Joran, Teh – Baglan, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423301, have changed my name from SANGITA to SANGITA MAHENDRA SAWKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SAVKAR MAHENDRA TUKARAM, is legally father of Army No. 2824024W, Rank – Sep, Name – SAWKAR SUNIL MAHENDRA, presently residing at Vill – Joran, Post – Joran, Teh – Baglan, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423301, have changed my name from SAVKAR MAHENDRA TUKARAM to MAHENDRA TUKARAM SAWKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KAPADI MANDABAI LIMBAJI, is legally mother of Army No. 2810966F, Rank – Sep, Name – KAPADI RAJENDRA LIMBAJI, presently residing at Vill – Khambe, Post – Ashvi Khurd, Teh – Sangamner, Dist – Ahmadnagar, State – Maharashtra, Pin – 413738, have changed my name from KAPADI MANDABAI LIMBAJI to MANDABAI LIMBAJI KAPADI and my date of birth from 01/01/1968 to 01/06/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ROHINI RAJENDRA KAPADI, is legally spouse of Army No. 2810966F, Rank – Sep, Name – KAPADI RAJENDRA LIMBAJI, presently residing at Vill – Khambe, Post – Ashvi Khurd, Teh – Sangamner, Dist – Ahmadnagar, State – Maharashtra, Pin – 413738, have changed my name from ROHINI RAJENDRA KAPADI to KAPADI ROHINI RAJENDRA for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, CHITRANJAN KUMAR SANDILYA S/o CHAMRA DAS SHANDILYA residing at H.NO-154, BADEMUDPAR, PO-KUSMUL, DIST-SAKTI, CHHATTISGARH-495695, have changed my name from CHITRANJAN KUMAR SANDILYA to CHITRANJAN KUMAR SHANDILYA for all future purposes vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सीमा एवं श्री श्याम कुमार, एक भूमि का प्लॉट का 130 वर्ग गज क्षेत्रफल, जो कि खसरा संख्या 173, 218 मिन एवं 219 मिन में से स्थित है, ग्राम सालारपुर खादर, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, को श्री राजीव कुमार से क्रय करने का इरादा रखते हैं। श्री राजीव कुमार ने उक्त संपत्ति श्रीमती वंती माला सिंह से विक्रय विलेख दिनांक 11.04.2018 के माध्यम से क्रय की थी। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति से संबंधित मूल चेन दस्तावेज़, अर्थात् विक्रय विलेख दिनांक 05.09.2017 (पंजीकरण संख्या 4335) तथा विक्रय विलेख दिनांक 01.02.2016 (पंजीकरण संख्या 273) गुम हो गए हैं। अत: उक्त मूल दस्तावेज़ उपरोक्त संपत्ति के संबंध में उपलब्ध नहीं हैं। उपर्युक्त दस्तावेज़ों के गुम होने के संबंध में दिनांक 11.02.2026 को ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 95594/2026) दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as Riyaz Alam S/O Mazharul Haque R/O WZ 336, NARAINA VILLAGE, South West Delhi, Delhi, 110028, have changed my name and shall hereafter be known as WASIULLAH.

NAME CHANGE

I, Ram Chhabila Gupta S/O Lal Bihari Gupta R/O H. NO. A-135A, S/F BACK SIDE A-BLK, GULAB BAGH, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059, Permanent address - Dhanauti, Karjahan, Deoria, Uttar Pradesh-274201, have changed the name of my minor son Ansh gupta age 16 years and he shall hereafter be known as ANMOL GUPTA.

NAME CHANGE

I MOHD MUJAHID S/O MOHAMMAD YASIN R/O, A-3/7 B CHANAKAYA PLACE PART-1 UTTAM NAGAR DELHI-110059 I have changed my name to MUJAHID ANJUM Permanently for all Future purpose

Public Notice

It is for general information that I Lalmoni Sharma S/O: Inder Lal Sharma, R/O 191/D1 Type I, 3rd Floor D, Gov Bunglows, Basant Lane, VTC: Pahar Ganj, PO: Swami Ram Tirth Nagar, Central Delhi, Delhi - 110055, declare that name of mine, my wife and my minor daughter have been wrongly written as Lalmani Bhandari,Saraswati Lalmani and Sonakshi in my minor daughter namely Sonakshi Sharma aged 14 years in her birth certificate no 751464409.The actual name of mine, my wife and my minor daughter are LALMONI SHARMA, SARASWATI SHARMA AND SONAKSHI SHARMA, respectively which may be amended accordingly,.

NAME CHANGE

I, No.15802292A, Rank-NK (OPR) Name- ANANT KUMAR S/o RAJESH KUMAR R/o VILL- BADSHAHPUR, PO- MANDANA, TEH & DISTT- SHEIKHPURA, BIHAR-811105, in my service record my father's (RAJESH KUMAR) date of birth wrongly mentioned as 01/01/1967 instead of his correct date of birth as 05/01/1963 vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, No.15802292A, Rank-NK (OPR) Name- ANANT KUMAR S/o RAJESH KUMAR R/o VILL- BADSHAHPUR, PO- MANDANA, TEH & DISTT- SHEIKHPURA, BIHAR-811105, in my service record my mother's (SHOBHA DEVI) date of birth wrongly mentioned as 01/01/1972 instead of her correct date of birth as 10/02/1972 vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I LATA legally mother of Army no - 2819732Y, Rank - Sep, Name - JAKHALE GANESH MAHADEV, At - Dhondewadi, Post- Dhondewadi, Teh - Karad, Dist - Satara, State- Maharashtra, Pin - 415104, have changed my name from LATA to LATA MAHADEV JAKHLE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Darla Lavanya Spouse of Army No. 14853818N Rank - LNK, Name - Shyam Sundra Swartha Presently Posted at Unit 44RR, A-Coy, Village - Chowgam, Dist. - Shopian, State - J&K Pin-192303 Permanent Resident of 7/3/122 A, Mission Compound, Village+Post - Jagtial, Dist - Jagtial, State - Telangana, Pin - 505327 have changed my Date of Birth from 06/12/1987 to 06/06/1982 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 12 Feb. 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I hitherto known as Khushi alias Rakhi D/O Anil, R/O D-2/496, Sultan puri, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as Rakhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I TARUN KUMAR S/O RAJ NARAYAN SINGH R/O K-1438-39, K Block , Jahangir Puri, Azadpur, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of mine and my father has been wrongly written as LALAN SINGH and RAJ N SINGH in my Driving Licence No. DL-0820080005030 and as LALAN SINGH and RAJNARAYAN SINGH in my Pan Card No. BTBPS3041L. The actual name of mine and my father are TARUN KUMAR and RAJ NARAYAN SINGH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Sarifen W/o Zakir Hussain R/o Ghasera(161), Ghasera, Mewat, Nuh, Haryana-122103 have changed my name to Sarifan.

NAME CHANGE

I, Mohd Naushad, S/o Mr. Mohd Bundu, R/o D-15/7, Block-D, Okhla Vihar, Jamia Nagar, New Delhi-110025, inform that Mohd Naushad Saifi and Mohd Naushad, both names are same person.

NAME CHANGE

I, KAMAL, is legally mother of Army No. 2822136X, Rank – Sep, Name – MALI DADASO DATTATRAY, presently residing at Vill – Kumbhari, Post – Kumbhari, Teh – Jat, Dist – Sangli, State – Maharashtra, Pin – 416403, have changed my name from KAMAL to KAMAL DATTATRAY MALI for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JADHAV NANAJI BHIKA, is legally father of Army No. 2824083H, Rank – Sep, Name – JADHAV SACHIN NANA, presently residing at Vill – Thengoda, Post – Thengoda, Teh – Satana, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423301, have changed my name from JADHAV NANAJI BHIKA to JADHAV NANA BHIKA and my date of birth from 01/06/1977 to 01/01/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE

I, SHOBHA, is legally mother of Army No. 2824083H, Rank – Sep, Name – JADHAV SACHIN NANA, presently residing at Vill – Thengoda, Post – Thengoda, Teh – Satana, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423301, have changed my name from SHOBHA to JADHAV SHOBHA NANA for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA, is legally spouse of Army No. 2809977F, Rank – Hav, Name – BHALEKAR DEEPAKKUMAR VILAS, presently residing at Vill – Vadner Haveli, Post – Vadner Haveli, Teh – Parner, Dist – Ahilyanagar (Ahmednagar), State – Maharashtra, Pin – 414302, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA DEEPAKKUMAR BHALEKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I N BANO W/O FAIZ AHMED R/O H.NO C- 477 B NAGAR NIGAM PRIMARY SCHOOL SANGAM VIHAR NEW DELHI - 110062, I have changed my name to NASEEMA BANO Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, MOHD NASIR S/O MOHD NAWAB R/O H.N-6212, PAKKI GALI BARA HINDU RAO, DELHI G.P.O., DELHI-110006. have changed my name to MOHD NAASIR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SABIR S/o Nasir Ahmad R/o F-173, Abul Fazal Enclave-2, Shaheen Bagh, Jamia Nagar Okhla, Delhi-110025, have changed my name to MOHD SABIR permanently

NAME CHANGE

I, MD ZABIR HUSSAIN S/o Zahoor Alam R/o 35/273-274, 2 nd Floor, Trilok Puri, Delhi-110091, have changed my name to MOHD ZABIR HUSSAIN permanently

NAME CHANGE

I, MD ZAHUR ALAM S/o Abdul Gafoor R/o 35/273-274, 2 nd Floor, Trilok Puri, Delhi-110091, have changed my name to ZAHOOR ALAM permanently

NAME CHANGE

I, SAMTA W/o Santosh Kumar Kochar R/o F-10/25, F-Block, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to SAMTA KOCHAR permanently

NAME CHANGE

I, SANTOSH KOCHAR S/o Late Chhagan Mal Kochar R/o F-10/25, F-Block, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to SANTOSH KUMAR KOCHAR permanently

NAME CHANGE

I, RAMKISHAN TIWARI S/o Karan Singh R/o H.No.10, Gali No.1, A-Block, Pusta Road, West Karawal Nagar, Karawal Nagar, Delhi-110094, have changed my name to RAM KISHAN SHARMA permanently

NAME CHANGE

I NANDUBAI legally mother of Army no - JC 463436N, Rank - Nb Sub, Name - PARDE SATISH KALYAN, At - Indapur, Post- Indapur, Teh - Washi, Dist - Dharashiv, State- Maharashtra, Pin - 413525 have changed my name from NANDUBAI to NANDUBAI KALYAN PARDE for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I VANDANA legally mother of Army no - 2822072X Rank - Sep, Name - MATEKAR SHAILESH SHIVAJI, At - H No 427/002/302, Laxmi Niwas, Navi Mumbai (MCORP), Post- Kopar Khairane, Teh - Thane, Dist - Thane, State- Maharashtra, Pin - 400709, have changed my name from VANDANA to VANDANA SHIVAJI MATEKAR for all future purposes. Vide affidavit dated 12/02/26 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, CHOUGULE CHAITALI SHIVANAND, is legally spouse of Army No. 2821435K, Rank – Sep, Name – CHOUGULE SHIVANAND SUBHASH, presently residing at Vill – Shirol, Post – Shirol, Teh – Shirol, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416120, have changed my name from CHOUGULE CHAITALI SHIVANAND to CHAITALI SHIVANAND CHOUGULE for all future purposes.Vide affidavit dated 12/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Suraj Prashad is the absolute owner of Freehold Residential Plot admeasuring 50 Sq. yards i.e. 41.80 Sq. Meter, out of Khasra no. 1343A, situated at Silver City, Pavisadakpur, Pargana & Tehsil Loni, Distt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 19.03.2025 as doc. no. 4810, book no.1, vol. no. 6833, Page no. 209 to 230, on 19.03.2025, SRO- Loni-Ghaziabad. Till dated lost/ misplaced of Original Sale Deed dated 19.06.2009 executed by Mr. Harish Choudhary attorney of Mr. Frey Singh and Mr. Jitender, Mr. Mehak Singh, Mr. Sonu, Mr. Praveen and Mrs. Veer wati in favour of Mrs. Anita Devi as doc. no. 14057, Book no.1, vol. no.13268, Page no. 71 to 86, on 19.06.2009, SRO- IV Ghaziabad., and online FIR LAR no. 20260000162857 P.S. Crim Branch HQ, Lucknow Uttar Pradesh Police. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहबाज, पुत्रः इरशाद, निवासीः मकान संख्या–129, गरिमा गार्डन, गाजियाबाद, कोतवाली, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 19669/2020, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शाहबाज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शाहबाज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना वेलकम, दिल्ली** के अभियुक्त **शाहबाज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 20.03.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 19,
प्रथम तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1850/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84–भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद युनुस पता यूजी–2, मन्नत अपार्टमेंट बिन्दल एन्कलेव कासना नोएडा यूपी ने एफआईआर संख्या 220/2025 धारा 281/125(बी) भारतीय न्याय संहिता–2023 के तहत** थानाः सीलमपुर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सलीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सलीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 220/2025 धारा 281/125(बी) भारतीय न्याय संहिता–2023 के तहत थाना सीलमपुर, दिल्ली के उक्त मोहम्मद सलीम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनमोल नोहरिया
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
कमरा नं. 17, प्रथम तल, उ0पू0 जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1772/NE/2026

NAME CHANGE

I Manju Devi W/o Shiv Prakash R/o Gram Parasaura, Kanpur Dehat, Jot, Uttar Pradash- 209306 , have changed my name to Lalita Devi

NAME CHANGE

I Munni Devi W/o Balavir R/o 69, Dayalpur Pur, Tikar Hardoi, Tikar, Harpalpur, Hardoi, Uttar Pradesh-241402, have changed my name to Ved Vati

NAME CHANGE

I Nirmla W/o Ram Naresh R/o Nauwa Mahmudpur, Sitapur, Nauwa Mahmoodpur, Uttar Pradesh - 261125, have changed my name to Mamta

NAME CHANGE

I Hema Tripathi D/o Liladhar Joshi and W/o Dhirish Chandra Tewari R/o Manas Vihar, Bithoria No-1, Haripur Nayak, Nainital, Uttarakhand-263139, have changed my name to Hema Tewari

Public Notice

It is for general information that I, Mohsin Ansari S/o Ali Hasan Ansari R/o House No-22, Geetanjali Vihar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Mohsin Akram and Ali Hassan in my 10th and 12th Class Educational Documents and Mohsin Khan and Ali Hasan in my Birth Certificate No-MCDOLIR-0125-1070824333623. The actual name of mine and my father are Mohsin Ansari and Ali Hasan Ansari.

NAME CHANGE

I, Naval Kishor S/O Chander Mani R/O C-303, Desgn Arch, Hra-8 Site C, Surajpur, Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201308, Have changed my name to Naval Kishor Rana for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PHULESWARY BARO Mother of No. 14654387P Rank-HAV Name-CHABI BARO residing at VILL-BARBALISITHA, PO-KHOIRABARI, DISTT-UDALGURI, ASSAM-784522, have changed my name from PHULESWARY BARO to KHARALI BARO for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 12/02/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHIVI BHUSHAN D/o RAJESH BHUSHAN, R/o. S-909, Saffron Golf, Ajnara Gen-X, Crossing Republik, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201016. Further, I am a unwed single-mother and I have changed the name of my minor daughter AADHYA aged 9 Years and she shall hereafter be known as AADHYA BHUSHAN in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, No-14651753H Rank-HAV Name-KAUSHLENDRA KUMAR SINGH residing at VILL-MIRGANJ, PO-BHORE, MANPUR, DIST-GAYA, BIHAR-823003, have changed my minor son's name from ASHWINI KUMAR to ASHWINI KUMAR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LAXMI DEVI wife of JC-288945N, Rank-SUB Name-DHIRENDRA KUMAR DHIRAJ residing at VILL-TELDIHA, PO-KAZIPAKRI, PS-TARHASI, DIST-PALAMU, JHARKHAND-822118, have changed my name from LAXMI DEVI to LAXMI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MOHD YAMEEN S/O MOHD HUSSAIN R/O 1353 GALI JAKARRIA WALI PATHAK HABASH KHAN TILAK BAZAR DELHI GPO NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD YAMIN

NAME CHANGE

I MOHAMMAD AZHAR S/O TAJ MOHD R/O 7598 NEAR MASJID GHANTE WALI, QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD AZHAR FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I,Shayam Krishan Dixit S/O Sitaram Dixit R/O A-18/30A 3rd floor 2 no gali south Ganesh nagar shakarpur delhi 110092, Changed my name to Shyam Krishna Dixit.

NAME CHANGE

I, Razaulla S/O Mohd Sabir R/O 6959 chowk kuana beri wala bash sadarbazar delhi 110006 changed my name to Saiyed Raza Ulhaq.

NAME CHANGE

I, ALOK SINGH S/o SUMER SINGH R/o I -2/429, Gali No. - 9, Sangam Vihar, Hamdard Nagar, South Delhi , Delhi - 110062 have changed the name of my minor son RAJ BHADAURIYA aged 7 years and he shall hereafter be known as RAJVEER SINGH.

NAME CHANGE

I, PANKAJ KUMAR S/o DEEPCHAND R/o Village - Kashipur, Post - Sathiaon, Mubarakpur, Mau, Uttar Pradesh - 276404 have changed the name of my minor Son VIPUL KUMAR aged 10 years and he shall hereafter be known as PRATIK.

NAME CHANGE

I, MAHREEN BANO W/O MOHD TAUHEED residing at 6433 4TH FLOOR NEEM STREET QAYAMUDDIN QURESHI ROAD QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI-110006 have changed my name to MAHREEN TAUHEED for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VARISH AHEMED S/O AJIJ AHEMED R/O H N. C-112, NEAR TAYYAB MASJID, SHAHEEN BAG, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to VARISH AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAUARA BANO W/O VARISH AHEMED R/O H N. C-112, NEAR TAYYAB MASJID, SHAHEEN BAG, JAMIA NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 have changed my name to SAYARA BANO for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as KALEKTAR S/O RASHID KHAN R/O 301, KHWAJPUR, TEHSIL-JEVAR, AMINABAD, URF FAKIGAR, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-203155 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD KAMAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, JC-857495X Rank-SUB (OCC) Name-HANAMANT BASARAGI residing at VVPO-KULLUR, RAMDURG, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591130, have changed my father's name from REVAPPA to REVAPPA BATTEPPA BASARGI for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-857495X Rank-SUB (OCC) Name-HANAMANT BASARAGI residing at VVPO-KULLUR, RAMDURG, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591130, have changed my mother's name from YALLAVA R BASARAGI to YALLAVVA REVAPPA BASARGI for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-857495X Rank-SUB (OCC) Name-HANAMANT BASARAGI residing at VVPO-KULLUR, RAMDURG, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591130, have changed my wife's name from BHARATI BASARGI to BHARATI BASARAGI for all future purposes vide Affidavit dated 12/02/2026 before Notary Public Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के 52 शहरों में बनेंगे पांच सौ नए सेक्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने प्रदेश में पांच प्रमुख जोन गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, हिसार और पंचकूला के अंतर्गत आने वाले 52 शहरों और कस्बों में 500 से अधिक नए सेक्टर विकसित करने का फैसला किया है। इसके लिए करीब 1.46 लाख एकड़ भूमि अधिग्रहित करने का प्रस्ताव है। एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक चंद्रशेखर खरे ने सभी जोन प्रशासकों और संपदा अधिकारियों को पत्र जारी कर आगामी कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से की जाएगी, जहां संबंधित क्षेत्रों की राजस्व जानकारी, खसरा संख्या और भूमि का विस्तृत विवरण अपलोड किया जाएगा। गुरुग्राम जोन में गुरुग्राम, रेवाड़ी, धारूहेड़ा, सोहना, पटौदी, फरुखनगर और गोलपहली सहित सात शहर-कस्बों को योजना में शामिल किया गया है। फरीदाबाद जोन के तहत फरीदाबाद, नूंह, तावडू और होडल में नए सेक्टर विकसित होंगे। रोहतक, सांपला, कलानौर, सोनीपत, पानीपत, इसराना, खरखौदा, गन्नौर, गोहाना, झज्जर, बहादुरगढ़, आरोग्यधाम बाढ़सा और बेरी–में सेक्टर बसाने की योजना है। हिसार जोन में हिसार, हांसी, अग्रोहा, नारनौंद, उकलाना, बरवाला, जींद, नरवाना, उचाना, फतेहाबाद, टोहाना और भूना सहित 13 शहर-कस्बे शामिल किए गए हैं। वहीं पंचकूला जोन में पिंजौर-कालका, पंचकूला एक्सटेंशन (अलीपुर), रायपुररानी, यमुनानगर-जगाधरी, शाहाबाद, कैथल, करनाल, असंध, इंद्री, नीलोखेड़ी, कुरुक्षेत्र, पिहोवा और लाड़वा जैसे 14 शहर-कस्बों में नए सेक्टर विकसित किए जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार कुल एक लाख 46 हजार 707.921 एकड़ भूमि को चार श्रेणियों में विकसित किया जाएगा। इसमें रिहायशी सेक्टरों के लिए एक लाख दो हजार 281.824 एकड़, व्यावसायिक उपयोग के लिए 11 हजार 553.725 एकड़, पब्लिक व सेमी-पब्लिक उपयोग के लिए 4773.303 एकड़ तथा मिश्रित उपयोग के लिए 28,099.069 एकड़ भूमि शामिल है।

गरीबों को विकास योजनाओं का लाभ देना सरकार का लक्ष्य : नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री पंचकूला स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। हरियाणा में भी 'अंत्योदय दर्शन' पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए भोजन, कपड़ा, आवास, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गरीब कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। प्रदेश में 41 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 14 लाख 50 हजार परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। गरीब के सिर पर अपनी छत हो, यह सपना पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत 1 लाख 56 हजार मकान दिए गए हैं।

एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल पर्यटन वाहनों को अनुमति नहीं

चंडीगढ़। हरियाणा में अब 12 साल पुराने पर्यटन वाहनों के संचालन पर पूरी तरह से रोक रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 14 जिलों में पेट्रोल और सीएनजी आधारित वही पर्यटन वाहन चलाए जा सकेंगे, जिनके रजिस्ट्रेशन को 12 साल से अधिक का समय नहीं हुआ है। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. राजा शेखर वुंडरू की ओर से हरियाणा मोटर यान संशोधन नियम जारी कर दिए गए हैं। नए नियमों के अनुसार, डीजल पर्यटन वाहनों की उम्र इससे 10 साल तय की गई है। एनसीआर से बाहर भी पेट्रोल-सीएनजी से संचालित पर्यटन वाहनों की उम्र 12 साल ही रहेगी, लेकिन डीजल वाहनों के मामलों में दो साल की राहत दी गई है। एनसीआर से बाहर के नौ जिलों में 12 साल तक पुराने पर्यटन वाहन चलाए जा सकेंगे।हरियाणा के 23 में से 14 जिले करनाल, जींद, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, झज्जर, गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, नूंह और पलवल एनसीआर में शामिल हैं। नौ जिले पंचकूला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा, कैथल, हांसी, फतेहाबाद और अंबाला जिले एनसीआर से बाहर हैं। स्कूल बसों के साथ ही रोडवेज और निजी बसों तथा कांट्रैक्ट कैरिज और गुड्स कैरिज के तहत परमिट लेने वाले वाहनों के लिए भी उम्र सीमा तय की गई है।

देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए तीन संस्थानों के बीच हुआ करार

गुरुग्राम। स्टार्टअप स्टेयर्स, एवीपीएल व विक्ट्री इंटरनेशनल के बीच पूरे देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बुधवार को करार हुआ। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ स्किल डेवेलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यह साझेदारी की गई है। इस साझेदारी में स्टार्टअप स्टेयर्स अपनी इनक्यूबेशन और इकोसिस्टम निर्माण की विशेषज्ञता, एवीपीएल अपनी स्किलिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षमताएं तथा विक्ट्री इंटरनेशनल अपनी ईवी तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग विशेषज्ञता प्रदान करेगी। इस पहल के अंतर्गत देशभर के लगभग 70 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और संबंधित संस्थानों में ईवी-केंद्रित प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का मूल्यांकन किया जाएगा। इन केंद्रों पर युवाओं और तकनीशियनों को ईवी सर्विस, मेंटेनेंस और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शहरी क्षेत्रों में स्कूल खोलने के लिए किया जाएगा सर्वे, मुख्यमंत्री सैनी ने दिया निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों में बढ़ती हुई आबादी के मध्येनजर बच्चों को शिक्षा मुहैया करवाने के लिए स्कूल खोलने के लिए सर्वे किया जाए।

मुख्यमंत्री सैनी राज्य स्तरीय दिशा कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, सांसद धर्मबीर सिंह, नवीन जिन्दल सहित कई विधायक मौजूद रहे। बैठक से सभी जिला के अधिकारी भी ऑनलाइन जुड़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा गत वर्ष स्कूल छोड़ चुके 34 हजार बच्चों में से 18796 बच्चों को 6 माह का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा उनमें से 15386 बच्चों को मुख्यधारा में लाया गया। इसके अलावा फरीदाबाद के सेक्टर 37 में स्कूल भवन का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा

कि विद्यार्थियों के लिए हर जिले में मॉडल संस्कृति स्कूल खोले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हर घर ग्रहणी योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक पहुंचाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। प्रदेश को टीबी मुक्त और एनीमिया मुक्त करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अलावा प्रदेश में नेचुरोपैथी सुविधाएं बढाई जाए ताकि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिले। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में 98726 मकान बनाने के लक्ष्य अनुसार 652 करोड़ रुपये की राशि से 76275 मकान स्वीकृत किए जा चुके हैं जिनमें से 41491 पूरे हो चुके हैं तथा शेष निर्माणाधीन हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना में 67649 मकान बनाए जाएंगे। इसमें से 703 करोड़ रुपये की लागत से 33690 मकान बनाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल विभाग द्वारा 257 खेल स्टेडियम के नवीनीकरण पर 314 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जा रही है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 1025 व्यायामशालाएं एवं इंडोर जिम बनाए गए हैं।

केंद्रीय बजट से हरियाणा को मिलेगी मजबूती : कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत की दिशा में एक संरचनात्मक रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल वार्षिक लेखा-जोखा नहीं बल्कि भारत की आर्थिक शक्ति, आत्मनिर्भरता का ठोस खाका है। राज्य सभा की कार्यवाही में भाग लेने के बाद कार्तिकेय शर्मा ने चंडीगढ़ में जारी बयान में बताया कि वर्ष 2013-14 की तुलना में पूंजीगत व्यय 4.5 गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। 2014 में जहां राजमार्ग निर्माण की गति 12 किमी प्रतिदिन थी, आज यह बढ़कर 34 किमी प्रतिदिन हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण 2014 के 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 10 लाख करोड़ हो गया है और भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बन चुका है। शर्मा ने लगभग चार लाख करोड़ के कृषि, डेयरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रावधान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने हरियाणा का उल्लेख करते हुए

कहा कि केंद्र के बजट से हरियाणा को कई योजनाओं में सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा 24 फसलों पर एमएसपी प्रदान करता है, जो केंद्र और राज्य के प्रभावी समन्वय का प्रमाण है। क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी और पशु चिकित्सा कॉलेजों का विस्तार डेयरी किसानों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

हरियाणा में फर्जी दाखिलों की जांच कर सीबीआई में दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में फर्जी दाखिलों की जांच कर रही सीबीआई ने अदालत में अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इस मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने प्रदेश के 12 हजार 924 स्कूलों में रिकार्ड की जांच की और करीब 50 हजार विद्यार्थी संदिग्ध मिले हैं। दिलचस्प बात यह है कि सीबीआई को जांच के दौरान रिकॉर्ड में बड़ी गड़बडियां जरूर मिलीं, लेकिन किसी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले। सीबीआई की यह रिपोर्ट फिलहाल अदालत ने स्वीकार नहीं की है। सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने कहा है कि इतने बड़े स्तर पर सामने आई अनियमितताओं के बाद मामले को सीधे बंद नहीं किया जा सकता। कोर्ट पहले पूरी फाइल का अध्ययन करेगी, उसके बाद ही अगला फैसला लिया जाएगा। इस पूरे मामले की शुरुआत 2016 में हुई थी, जब गेस्ट टीचर्स की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार ने 22 लाख छात्रों का रिकॉर्ड पेश किया। जब इनमें से कुछ नामों की जांच की गई तो कई नाम संदिग्ध पाए गए। इसी आधार पर आशंका जताई गई कि स्कूलों में फर्जी दाखिले दिखाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लिया जा रहा है। बाद में मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई ने राज्य के 12,924 सरकारी स्कूलों का रिकॉर्ड खंगाला। प्रवेश रजिस्टर, हाजिरी, मिड-डे मील, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म और परीक्षा रिकॉर्ड तक की जांच की गई। जांच में 50,687 छात्र संदिग्ध पाए गए। कुछ जिलों में गड़बड़ी का प्रतिशत 5 प्रतिशत था, जबकि कुछ में यह 40 प्रतिशत तक पहुंच गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय मानते थे सत्ता सुख का साधन नहीं सेवा का माध्यम है : नायब सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का मार्ग है। विचार, संस्कार और समर्पण ही हमारी पहचान हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए भाजपा सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर आयोजित ''समर्पण दिवस'' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं भी गिनवाई। मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित

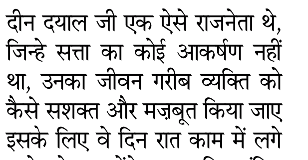

दीन दयाल जी एक ऐसे राजनेता थे, जिन्हे सत्ता का कोई आकर्षण नहीं था, उनका जीवन गरीब व्यक्ति को कैसे सशक्त और मज़बूत किया जाए इसके लिए वे दिन रात काम में लगे रहते थे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल जी ईमानदारी के प्रतिमूर्ति थे, दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर राष्ट्र सेवा में निरंतर लगे रहते थे और राष्ट्र सेवा को ही अपना धर्म मानते थे। सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अद्भुत प्रतिभा को देखकर डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि अगर मुझे दो और दीनदयाल मिल जाए तो मैं भारत की राजनीति का नक्शा बदल दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ''थ्री इन वन'' थे, वो एक समर्पित राजनेता, एक महान चिंतक और कुशल संगठनकर्ता थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीएम मोदी अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे है। प्रधानमंत्री ने बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक तमाम योजनाओ का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। कोरोना काल में देश का एक भी व्यक्ति भूखे पेट ना सोए ऐसी व्यवस्था प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना काल में की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक लाख 60 हज़ार लोगो को मकान बनाकर चाबियां सौंपने का काम किया है। जिन लोगों के पास जमीन नहीं थी उन्हें मकान बनाकर देने का काम भाजपा सरकार ने किया है। हमारी सरकार ने लगभग 27 हज़ार परिवारों को 100 गज़ के प्लॉट दिए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भाजपा मुख्यालय पंचकमल पहुंचने पर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

नशा मुक्ति पहल के तहत एक साल में पांच सौ से अधिक लोगों ने छोड़ा नशा

वर्ष 2026 में जनवरी माह में 50 से ज्यादा रोगियों का उपचार किया गया है।

एजेंसी

चंडीगढ़। पंचकूला स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) नशा मुक्ति अभियान में नई उम्मीद बन रहा है। नशा मुक्ति पहल के तहत वर्ष 2025 में 500 से ज्यादा लोग नशा छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हुए हैं। वर्ष 2026 में जनवरी माह में 50 से ज्यादा रोगियों का उपचार किया गया है। संस्थान में नशे का उपचार कराने आने वाले रोगियों को पंचकर्म के शिरोधारा उपचार के साथ अन्य उपचार पद्धातियों के माध्यम से नशा छुड़वाया जा रहा है।संस्थान के अगत तंत्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि संस्थान में उपचार के लिए मुख्य रूप से शराब, अफीम, गांजा, भांग, चरस, तंबाकू, कोकीन और हेरोइन आदी के मरीज आ रहे हैं, जिनका

आयुर्वेद पद्धति के जरिये इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि नशे का सेवन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे के आदी व्यक्ति को स्मृति क्षीणता, अवसाद, उन्माद, भ्रम जैसी मानसिक समस्याएं होने लगती हैं। साथ ही शारीरिक रूप से हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, लीवर डैमेज, कैंसर और एड्स जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ग्रसित हो जाता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में नशा रोगी का उपचार आयुर्वेदिक पद्धतियों के माध्यम से किया जाता है। इनमें प्रमुख रूप से पंचकर्म शिरोधारा पद्धति शामिल है, जिसके जरिये रोगी के मानसिक तनाव और बैचेनी को कम किया जाता है। नशे की लालसा को नियंत्रित करने के साथ अनिद्रा, अवसाद, मस्तिष्क को शांति, स्मरण और एकाग्रता में सुधार होता है। नस्यकर्म पद्धति नशे की लत मस्तिष्क और नाड़ियों को सबसे अधिक प्रभावित करती है। अभ्यंग पद्धति से औषधीय तेलों से रोगी के पूरे शरीर की मालिश की जाती है। स्वेदन पद्धति के माध्यम से रोगी गर्माहट देकर शरीर का पसीना निकाला जाता है। नशा छुड़वाने में नस्यकर्म पद्धति भी कारगर साबित हो रही है। इस पद्धति के जरिये नशा की लत से पीड़ित व्यक्ति बैचेनी, शारीरिक कमजोरी के साथ मानसिक तनाव को कम किया जाता है।

दुष्कर्म केस में बयान से मुकरी पीड़िता, दोषी को मिली सजा

एजेंसी

फरीदाबाद। दुष्कर्म पीड़िता अपने बयान से मुकरी तो अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ज्योति लांबा की अदालत ने सख्त लहजे में टिप्पणी की है कि यौन अपराध की पीड़िता का ऐसा आचरण और व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। संभवतः पीड़िता ने दोषी के प्रभाव में आकर ऐसा किया है। साथ ही, अदालत ने पीड़िता को कोई मुआवजा देने से भी इंकार कर दिया, क्योंकि उसने गवाह के रूप में कटघरे में आकर वह तीन सरकारी एजेंसियों के समक्ष दर्ज अपने स्पष्ट बयानों से मुकर गई। हालांकि, पुलिस की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए अदालत ने न केवल आरोपित को दोषी ठहराया, बल्कि उसे 10 साल जेल की सजा सुनाई। दोषी पर 90 हजार रुपये जुर्माना भी किया गया है। चीफ डिफेंस काउंसिल रविंदर गुप्ता ने बताया कि यह मुकदमा 20 नवंबर 2021 को युवती की शिकायत पर एसजीएम नगर थाने में दर्ज हुआ था। युवती ने शिकायत में बताया था कि इंस्टाग्राम पर उसकी पहचान एनआइटी तीन डीएवी कॉलेज के पास रहने वाले वसीम के साथ हुई थी। वह स्कूल जाते वक्त युवती से मिलता था। उनकी बातचीत होने लगी और दोस्ती हो गई। 18 नवंबर 2021 की रात वसीम दीवार कूदकर उनके घर में घुस गया। उस वक्त परिवार के बाकी सदस्य रिश्तेदारी में गए हुए थे। घर पर युवती और उसकी मम्मी अकेले थे। युवती की मां दूसरे कमरे में सोई हुई थी। वसीम युवती के कमरे में घुस गया और मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती ने शोर मचा दिया तो युवती की मां आ गई। आरोपित उसे धक्का देकर भाग गया। परिवार के बाकी सदस्यों के वापिस आने पर पुलिस को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया। तब से मुकदमा अदालत में विचाराधीन था।

भाजपा एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रही है : बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत सेक्टर-7 स्थित भाजपा कार्यालय स्वर्ण कमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर समर्पण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विचार रखे। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता और मनीषी थे। भारतीय जनता पार्टी का वैचारिक आधार उनके एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर टिका है। उन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा और समाज समर्पण का साधन माना। उनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समान विकास और सम्मान पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि जब तक अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान नहीं होता, तब तक विकास अधूरा रहता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका सम्मान का मंत्र भी उनके दर्शन से प्रेरित है। उन्होंने

गरीबों, किसानों, दलितों, पीड़ितों और वंचितों के कल्याण पर विशेष बल दिया। बड़ौली ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्व और हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही उज्ज्वला, आयुष्मान और गरीब कल्याण जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास हैं। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंत में कार्यकर्ताओं से उनके विचारों को आत्मसात कर समाज सेवा के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, विधायक कृष्ण गहलावत, विधायक पवन खरखौदा, सोनीपत प्रभारी सतीश नांदल, पूर्व मंत्री कविता जैन, आजाद सिंह नेहरा, देवेंद्र कौशिक, सुमित्रा चौहान, जिला महामंत्री नीरज कुमार एवं तरुण देवीदास, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मोनिका दहिया, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया, पुनीत त्यागी, किशोर वशिष्ठ, नवीन मंगला, योगेश पाल अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

मानेसर निगम ने उखाड़े अवैध यूनिपोल, किया एक करोड़ जुर्माना

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर ने निगम क्षेत्र में विज्ञापन के लिए इस्तेमाल होने वाले अवैध यूनिपोल के खिलाफ कार्रवाई की। 25 यूनिपोल को हटाकर जब्त करके एक करोड़ रुपये जुर्माना लगाया गया। इन अवैध विज्ञापनकर्ताओं पर निगम ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया। निगम आयुक्त प्रदीप सिंह ने स्वयं फील्ड में उतरकर इस कार्रवाई का नेतृत्व किया। आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि इन अवैध यूनिपोल के कारण शहर की सुंदरता खराब हो रही थी। साथ ही निगम के राजस्व को हर महीने लाखों रुपये का नुकसान भी हो रहा था। इन सभी यूनिपोल संचालकों पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने की सूरत में हरियाणा म्युनिसिपल एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने कार्रवाई के दौरान कड़े शब्दों में कहा कि निगम क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम की टीम लगातार इस प्रकार के अभियान चलाएगी।निगम की टीम ने सेक्टर-82, सती चौक, नौरंगपुर रोड, मानेसर, एनएच-48 व आसपास के इलाकों से युनिपोल को हटाया है। इस

दौरान संयुक्त आयुक्त हितेंद्र कुमार, संयुक्त आयुक्त लोकेश यादव सहित निगम की विज्ञापन शाखा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। निगम ने नोटिस जारी कर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। 15 दिनों के भीतर जुर्माना राशि का भुगतान करने के आदेश दिए गए हैं। भुगतान न करने पर इनके खिलाफ मुकदमा और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। यूनीपोल को जब्त कर लिया गया है, उन्हें नीलाम किया जाएगा।

सौतेले पिता ने सिर कुचलकर की बेटे की हत्या, पेचकस से निकाली आंख

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री नगर इलाके में पत्नी से विवाद के बाद एक व्यक्ति ने 12 साल के सौतेले बेटे अल्तमश की बेरहमी से सिर कुचलकर हत्या कर दी। आरोप है कि आरोपी वाजिद ने प्लास और स्क्रू ड्राइवर से मासूम की एक आंख निकाल ली। एक सप्ताह से हो रहे झगड़े से परेशान होकर उसकी पत्नी अपनी चाची के घर चली गई थी और वापस नहीं आ रही थी। जिसको लेकर आरोपी पत्नी को लगातार धमका रहा था। आरोपी ने परिवार वालों को वीडियो भेजकर झाड़ियों में शव पड़े होने की जानकारी दी। पुलिस ने मासूम की मां मुमताज के बयान पर मामला दर्ज किया है और आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। 12 साल का अल्तमश परिवार के साथ शास्त्री पार्क की झुग्गी में रहता था। परिवार में उसकी मां मुमताज, भाई अमन, वशीर, बहन ईरम और सौतेला पिता वाजिद है। उसकी एक बहन शादीशुदा है। उसकी बहन ईरम ने बताया कि 2019 में उनके पिता शफीक की मौत हो गई थी। पिता की मौत के कुछ महीने बाद ही उसकी मां ने वाजिद से शादी कर ली। वाजिद पहले से शादीशुदा था और रिक्शा चलाता है। पिछले एक सप्ताह से उसकी मां का वाजिद से झगड़ा हो रहा था। वाजिद के लगातार मारपीट करने से परेशान होकर उसकी मां पड़ोस में रहने वाली अपनी चाची के घर चली गई थी। वाजिद लगातार मुमताज को वापस आने के लिए कह रहा था। मना करने पर उसने बेटे की हत्या करने की भी धमकी दी थी। परिवार वालों ने बताया कि गुरुवार को अल्तमश व उसका भाई वसी शास्त्री पार्क स्थित अपने स्कूल गए थे। शाम को छुट्टी होने पर वाजिद रिक्शा लेकर स्कूल पहुंच गया। वह दोनों भाइयों को रिक्शे पर बिठाकर घर के लिए रवाना हुआ। शास्त्री पार्क लालबत्ती के पास वाजिद ने वसी को रिक्शा पर बैठे रहने की कहकर उसके छोटे भाई को अपने साथ झाड़ियों में लेकर चला गया। जहां उसने वारदात को अंजाम दिया।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that I, **SUNITA DEVI** wife of **VED PARKASH**, residing at H.No. **D-507, ROF Aalayas Colony, Dhankot, Sector-102, Gurugram, Haryana-122505**, am the absolute and lawful owner in poss-ession of the residential property bearing No. **D-507, ROF Aalayas Colony, Dhankot, Sector-102, Gurugram, Haryana-122505** (hereinafter referred to as "the said property").

It is hereby brought to the attention of all concerned that the **Original Sale Deed** pertaining to the said property, bearing **Document No. 2992,** which was duly registered with the office of the **Sub-Registrar, Sub-Tehsil, Kadipur, District Gurugram, Haryana**, has been inadvertently lost, misplaced, and is currently untraceable despite diligent efforts. A formal police report regarding the loss of the said document has been lodged vide Application No. **132270752600079** with the appropriate authorities.

The public is hereby expressly cautioned and warned against purchasing, acquiring, mortgaging, leasing, or entering into any form of transaction, agreement, or dealing whatsoever with any person(s) claiming to act on the basis of the aforesaid lost Original Sale Deed or any purported copy thereof. Any individual or entity attempting to deal with the said property using the lost Original Sale Deed shall do so at their own sole risk and peril.

It is unequivocally declared that any transaction, agreement, or dealing entered into by any person(s) with respect to the said property based on the lost Original Sale Deed shall be considered illegal, fraudulent, null, and void ab initio, and shall not be binding upon me, the lawful owner. I shall not be held responsible or liable for any such unauthorized transaction.

Furthermore, this notice serves as a formal declaration of the loss of the Original Sale Deed and is being issued to prevent any potential fraudulent activities and to facilitate the process of obtaining a certified copy of the said Sale Deed from the concerned registration authorities. Should the said lost Original Sale Deed be found by any person, it is earnestly requested that the same be immediately returned to the undersigned at the address provided below.

SUNITA DEVI
W/o Ved Parkash, R/o H.No. D-507, ROF Aalayas Colony, Dhankot, Sector- 102, Gurugram, Haryana-122505.
Mobile: 9717143169

Date: 13.02.2026
Place: GURUGRAM

अमेरिका में छुपे गैंगस्टर रोहित गोदारा के तीन गुर्गे गिरफ्तार

एजेंसी

फरीदाबाद। विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा ने फरीदाबाद के एक उद्योगपति से पहले पांच फिर दस करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। उद्योगपति ने रंगदारी नहीं दी तो गैंगस्टर ने उद्योगपति को डराने के लिए अपने गुर्गे भेजे। इन तीन गुर्गों को क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों में बठिंडा निवासी मोनू गुर्जर, संजय नगर और कपिल हैं। इनमें से मोनू गुर्जर ने पुलिस हिरासत से भागने के लिए मंगलवार रात पुलिस पर गोली चलाई, तो पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर उसे काबू किया। वह एम्स दिल्ली में उपचाराधीन है। पुलिस के पास इनपुट है कि फिलहाल गैंगस्टर रोहित गोदारा यूएसए में छिपा हुआ है। वहीं से अपना गैंग ऑपरेट करता है। एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि उद्योगपति की शिकायत पर पांच फरवरी को सेंट्रल थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। उद्योगपति ने शिकायत में बताया कि उसके पास पहले विदेशी नंबर से वाट्सएप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी व न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। उद्योगपति ने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। पांच फरवरी को उसके घर एक चिट्ठी प्राप्त हुई। उसमें एके 47 की पांच गोलियां थीं। चिट्ठी में दस करोड़ की रंगदारी देने के लिए कहा गया था, न देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई थी। उद्योगपति ने इसे गंभीरता से लिया और पुलिस को शिकायत दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा ने एसीपी क्राइम वरुण दहिया को इस मामले की गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए। पुलिस को मालूम था कि विदेश में बैठे गैंगस्टरों की खास मोडस ओपरेंडी होती है। वे पहले कॉल पर धमकी देते हैं, इसके बाद चिट्ठी भेजकर डराते हैं। अगर इससे बात न बने तो वे टारगेट के घर व संस्थानों पर फायरिंग करवाते हैं। इसे समझते हुए क्राइम ब्रांच की टीम चुपचाप उद्योगपति के घर के आस-पास सक्रिय हो गई।

इंडिया इम्पैक्ट समिट: एआई महाशक्ति बनने की ओर भारत का बड़ा कदम

– 70-100 अरब डॉलर निवेश की संभावना, 100 से अधिक देशों के दिग्गज दिल्ली में जुटेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।

नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे इंडिया इम्पैक्ट समिट में दुनिया भर के 100 से अधिक देशों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारी और राष्ट्र प्रमुख भाग लेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। आयोजन में 35,000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति की संभावना है और 70 से 100 अरब डॉलर तक के निवेश की घोषणाएं हो सकती हैं। भारत इस मंच के माध्यम से स्वयं को अमेरिका और चीन के बीच एआई क्षेत्र में एक वैकल्पिक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'संप्रभु एआई' को राष्ट्रीय लक्ष्य बताते हुए कहा कि भारत को एआई के पांच प्रमुख स्तरों-एप्लीकेशंस, मॉडल, चिपसेट, अधोसंरचना और ऊर्जा-में प्रतिस्पर्धी बनना होगा। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल डिजिटल बाजार है। चैटजीपीटी के डाउनलोड के मामले में भारत अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। सेंसरटॉवर के अनुसार 2025 में वैश्विक जनरेटिव एआई ऐप डाउनलोड का 16 प्रतिशत भारत से हुआ। विश्व आर्थिक मंच में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार 86 प्रतिशत भारतीय कंपनियां एआई का उपयोग कर रही हैं या इसकी संभावनाएं तलाश रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। अभी तक कोई भारतीय एआई कंपनी 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व के स्तर तक नहीं पहुंची है। सेमीकंडक्टर, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और ऊर्जा अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है।

साथ ही पारंपरिक आईटी सेवा कंपनियों के लिए एआई युग में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना भी बड़ी परीक्षा होगी। इंडिया इम्पैक्ट समिट भारत की एआई महत्वाकांक्षा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन है सबसे तेज: सर्वे

नई दिल्ली ।

टाटा सिएरा के इंजनों की परफॉर्मेंस सामने आई है, जिससे आप अपनी ड्राइविंग स्टाइल के मुताबिक सही वेरिएंट चुन सकते हैं। ऑटोकार इंडिया के डेटा के आधार पर सिएरा का 1.5 लीटर टीजीडीआई हायपेरियन इंजन सबसे तेज है, जबकि नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन अपेक्षाकृत स्लो परफॉर्मेंस देता है। 1.5 लीटर टीजीडीआई टर्बो-पेट्रोल इंजन ने परफॉर्मेंस के मामले में खुद को सबसे आगे साबित किया है। यह इंजन मात्र 10.09 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट कारों में शामिल करता है। टेस्ट ट्रैक नटराक्स पर कंपनी ने इस इंजन के साथ 222 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड भी हासिल की थी, हालांकि प्रोडक्शन मॉडल में इसकी टॉप स्पीड 190 किमी प्रति घंटे तक सीमित रखी गई है।

इतना ही नहीं, यह इंजन शक्तिशाली होने के साथ रिफाइंड और फ्यूल-एफिशिएंट भी है। यह वेरिएंट फिलहाल सिर्फ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। दूसरी ओर, 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (रेवोट्रॉन) इंजन थोड़ा धीमा है और 0 से 100 की स्पीड पकड़ने में 17.34 सेकंड लेता है।

इसका टॉर्क डिलीवरी कम आरपीएम पर अच्छी है, जिससे यह शहर की ड्राइविंग के लिए बेहतर है। स्मूथ और रिफाइंड ड्राइविंग अनुभव होने के बावजूद ओवरटेकिंग के दौरान थोड़ी प्लानिंग की जरूरत पड़ती है। यह इंजन मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है, जिसका गियरशिफ्टिंग अनुभव काफी अच्छा है। सबसे धीमा परफॉर्मेंस 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक के साथ आता है, जिसे 0-100 किमी/घंटा रफ्तार पकड़ने में 21.16 सेकंड लगते हैं। गियर शिफ्टिंग के समय हल्का पॉज महसूस होता है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन थोड़ा रिलैक्स्ड लगता है। अगर आप एक बैलेंस्ड और बेहतर एक्सेलेरेशन वाले विकल्प की तलाश में हैं, तो 1.5 लीटर डीजल इंजन अच्छा विकल्प बनता है। यह इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स के साथ आता है और 12.87 सेकंड में 0-100 की स्पीड पकड़ सकता है।

17.15 लाख करोड़ के पूंजीगत व्यय से विकसित भारत को मिली रफ्तार: वित्त मंत्री

बुनियादी ढांचा, बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर और एमएसएमई पर जोर

नई दिल्ली ।

लोकसभा में बजट पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा किया गया 17.15 लाख करोड़ रुपये का प्रभावी पूंजीगत व्यय विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल करने में सहायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2027 के लिए प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये निर्धारित है, लेकिन राज्यों और केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजी हस्तांतरण सहित कुल प्रभावी व्यय 17.15 लाख करोड़ रुपये है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि जलमार्गों के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत कम करना और दूरदराज़ राज्यों को सस्ती एवं तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे उन राज्यों को विशेष लाभ मिलेगा जो समुद्री बंदरगाहों से सीधे नहीं जुड़े हैं। सीतारमण ने कहा कि यह बजट 21वीं सदी के इस चरण का पहला बजट है और इसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए निवेश किया गया है। बायो-फार्मा क्षेत्र में बायोसिमिलर दवाओं के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों के इलाज में भारत अग्रणी बन सके। इसके साथ ही इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की शुरुआत की गई है, जिससे देश तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण तकनीक में निवेश को 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। श्रम-आधारित और विरासत उद्योगों के पुनरुद्धार के साथ एमएसएमई और मध्यम उद्योगों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की गई है। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनके चयन में पीएम गति शक्ति के मानदंड लागू होंगे। वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऋण-जीडीपी अनुपात को लक्ष्य बनाना नया कदम नहीं है, बल्कि इसे 2018 में एफआरबीएम संशोधन में शामिल किया जा चुका है।

मिस-सेलिंग रोकने के लिए आरबीआई का सख्त रुख

- बैंक स्टाफ के लिए नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली ।

वित्तीय उत्पादों की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) करने के मामले पर रोक लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सख्त रुख अपनाया है। बैंकिंग नियामक ने बीमा कंपनियों या म्युचुअल फंडों जैसे तीसरे पक्ष के उत्पादों और सेवाओं को बेचने के लिए बैंक कर्मचारियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पर रोक लगाने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यूजर इंटरफेस में कोई डार्क पैटर्न इस्तेमाल न हो। बीते सोमवार को जारी विनियमित इकाइयों द्वारा वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के विज्ञापन, मार्केटिंग और बिक्री के लिए संशोधित दिशानिर्देश के मसौदे में यह प्रस्ताव किया गया है कि कोई बैंक किसी भी तीसरे पक्ष के उत्पाद की बिक्री को अपने किसी उत्पाद के साथ जोड़कर नहीं करेगा। अगर बैंक अपने उत्पाद को बेचने के लिए तीसरे पक्ष के उत्पाद की खरीद पर निर्भर है तो ग्राहक को किसी दूसरी कंपनी से वही उत्पाद खरीदने का विकल्प दिया जाना चाहिए। अगर भ्रामक तरीके से बिक्री की बात साबित होती है तो बैंकों को पूरी रकम वापस करनी होगी और ऐसे उत्पादों की बिक्री से होने वाले किसी भी नुकसान के लिए बैंक ग्राहकों को हर्जाना भी देंगे। नियामक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादों और सेवाओं की बिक्री के लिए व्यावसायिक इकाइयों के बीच प्रतिस्पर्धा की नीतियां और कार्य न तो गलत बिक्री के लिए प्रोत्साहित करेंगे और न ही कर्मचारियों/प्रत्यक्ष बिक्री एजेंटों को उत्पाद/सेवाओं की बिक्री पर जोर देने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। प्रस्तावित नियम बैंकों और बीमा कंपनियों/म्युचुअल फंडों दोनों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि वे अपने उत्पादों के वितरण के लिए बैंकों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। दूसरी ओर बैंकों को ऐसे उत्पादों के वितरण के लिए फीस मिलती है।

पिछले साल नवंबर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के बैंकिंग तंत्र में लोगों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया था

और ऋणदाताओं से उत्पादों की भ्रामक बिक्री पर रोक लगाने की अपील की थी। बैंकिंग नियामक ने भी कहा था कि बैंकों को अपनी मुख्य कारोबारी गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए।

सोना-चांदी निवेश में तेजी, बदल रहा है निवेशकों का रुझान: रिपोर्ट

- निवेशकों को संतुलित और चरणबद्ध रणनीति अपनाने की सलाह

मुंबई ।

दुनिया भर में आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सोना और चांदी निवेशकों के लिए फिर से आकर्षक विकल्प बन गए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया तेजी केवल अल्पकालिक उछाल नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मजबूत ट्रेंड की शुरुआत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार बड़े वैश्विक निवेशक अब सोने को अपने पोर्टफोलियो में स्थायी रूप से शामिल कर रहे हैं। पहले इसे केवल संकट के समय सुरक्षित निवेश माना जाता था, लेकिन अब यह लंबी अवधि की रणनीति का हिस्सा बन रहा है।

केंद्रीय बैंकों की लगातार सोने की खरीद और ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदें भी सोने की कीमतों को मजबूत आधार दे रही हैं। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और डॉलर की कमजोरी विशेष रूप से सोने के लिए सकारात्मक हैं। भारतीय निवेशकों के लिए रुपये की कमजोरी अतिरिक्त रिटर्न का अवसर देती है। चांदी की कीमतों में तेजी सिर्फ निवेश से नहीं बल्कि औद्योगिक मांग से भी प्रभावित है। सोलर पैनल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में बढ़ती खपत चांदी की दीर्घकालिक कीमतों को समर्थन देती है। रिपोर्ट के मुताबिक नए निवेशकों को कुल पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोना और चांदी में रखने और निवेश चरणबद्ध करने की सलाह दी गई है। जिन निवेशकों की हिस्सेदारी 25-30 फीसदी से अधिक है, उन्हें पोर्टफोलियो की समीक्षा कर आंशिक मुनाफा वसूलने की सलाह दी गई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 19 पैसे की तेजी के साथ ही 90.59 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 38 पैसे उछलकर 90.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी निवेश प्रवाह और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप से इसे समर्थन मिला है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ये सुनिश्चित किया कि बैंकों में पर्याप्त नकदी बनी रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.55 पर खुला। फिर इसने गति पकड़ी और 90.40 तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 38 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया प्रारंभिक कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 90.56 तक भी पहुंचा। रुपया बुधवार को 22 पैसे की गिरावट के साथ 90.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 96.78 पर रहा था।

भारतीय स्टेट बैंक बनी देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी

- मार्केट कैप में टीसीएस को पछाड़ कर हासिल किया मुकाम

मुंबई । देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने हाल ही में शेयर बाजार में शानदार प्रदर्शन करते हुए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को बाजार बंद होने तक एसबीआई का मार्केट कैप 10.92 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि टीएसीएस का मार्केट कैप 10.52 लाख करोड़ रुपए था। इस वृद्धि के कारण एसबीआई अब देश की चौथी सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी बन गई है। मार्केट कैप के आधार पर देश की शीर्ष पांच लिस्टेड कंपनियां इस प्रकार हैं- रिलायंस इंडस्ट्रीज- 19.87 लाख करोड़, एचडीएफसी बैंक- 14.16 लाख करोड़, भारती एयरटेल- 11.47 लाख करोड़, एसबीआई- 10.92 लाख करोड़ और टीसीएस का मार्केट कैप- 10.52 लाख करोड़ रपए था। एसबीआई के शेयरों में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में लगभग 11 फीसदी की तेजी आई। निवेशकों का सरकारी बैंकों में बढ़ता भरोसा और मजबूत तिमाही नतीजे इस तेजी के मुख्य कारण हैं। एसबीआई ने तीसरी तिमाही में *21,030 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जो बाजार अनुमानों से करीब 18 फीसदी अधिक है। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 9 फीसदी बढ़कर 45,190 करोड़ रुपए हो गई। घरेलू मार्जिन बढ़कर 3.12 फीसदी पर पहुंच गया, जबकि कुल मार्जिन 2.99 फीसदी स्थिर रहा। लोन पोर्टफोलियो में 15.6 फीसदी वृद्धि और जमा में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। क्रेडिट कॉस्ट केवल 0.29 फीसदी रही, जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वहीं आईटी सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण टीसीएस के शेयरों में पिछले पांच दिनों में लगभग 4 फीसदी की गिरावट** आई, जिससे रैंकिंग में बदलाव हुआ।

सेल का बिक्री लक्ष्य 2 करोड़ टन, ऋण घटाने और दक्षता बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली । स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन स्टील बेचने का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष इसकी बिक्री 1.79 करोड़ टन थी। अप्रैल-दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि में कंपनी ने 1.66 करोड़ टन की बिक्री दर्ज की, जो 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। सेल ने अप्रैल-दिसंबर 2025 में 5,000 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया। 31 दिसंबर तक कुल ऋण 24,852 करोड़ रुपए था, जबकि जनवरी 2026 में इसमें 2,000 करोड़ रुपए और कटौती हुई। कंपनी परिचालन दक्षता, लागत अनुकूलन और मजबूत कोष प्रबंधन पर जोर दे रही है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ये कदम वित्तीय स्थिति सुधारने और विकास निवेशों के अवसर बनाने में मदद कर रहे हैं। सेल केंद्रित विपणन पहलों और बेहतर प्रबंधन के जरिये अपनी नींव मजबूत कर रही है। इस मजबूत आधार के साथ कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में दो करोड़ टन बिक्री हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

पतंजलि फूड्स ने 9 महीनों में तोड़ा रिकॉर्ड, राजस्व 29,000 करोड़ के पार

- कंपनी ने तीसरी तिमाही में 594 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । बाजार की अनिश्चितता और वैश्विक मंदी के बीच बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में अभूतपूर्व सफलता दर्ज की। कंपनी का कुल राजस्व 29,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। हालिया तीसरी तिमाही में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जिसमें राजस्व 10,500 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही से 16 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में लगभग 594 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। हालांकि ऐ बिटा 500 करोड़ रुपये के नीचे दर्ज किया गया, लेकिन कुल ग्रोथ ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। पतंजलि की सफलता के पीछे उसके एफएमसीजी सेगमेंट का अहम योगदान है। इस विभाग ने साल-दर-साल 39 फीसदी की वृद्धि दिखाई और कुल मुनाफे में महत्वपूर्ण हिस्सा रखा। खाद्य तेल का सेक्टर भी कंपनी के लिए रेवेन्यू का बड़ा स्तंभ बना। फूड ऑयल सेगमेंट ने 7,335 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न किया, जिसमें कुल तेल बिक्री का 85 फीसदी ब्रांडेड उत्पादों से हुआ। कंपनी ने न केवल अपने पुराने ग्राहकों को बनाए रखा बल्कि नए बाजारों में भी प्रवेश किया। बिस्कुट, नूडल्स और अन्य रोजमर्रा की चीज़ों की बढ़ती डिमांड ने रेवेन्यू में योगदान बढ़ाया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 558 , निफ्टी 146 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 283.70 अंक फिसलकर 60,470.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.90 अंक नीचे आकर 17,344.10 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एसबीआई, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे थे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स

409 अंकों की गिरावट के साथ 83,825 के स्तर पर पहुंच गयावहीं निफ्टी भी 113 अंक फिसलकर 25,841 पर आ गया।। वहीं आज एशियाई बाजारों में मजबूती रही। जापान का निक्केई 225 पहली बार 58,000 के स्तर को पार कर गया। निक्केई 225 में 0.5 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.9 फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा। वहीं अमेरिका में बुधवार को प्रमुख सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.16 फीसदी फिसला और डॉव जोन्स 0.13 फीसदी गिरा।

आईसीआईसीआई समूह को एचडीएफसी बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने आरबीआई से मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी और आईसीआईसीआई समूह की अन्य कंपनियों को एचडीएफसी बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.95 फीसदी तक बढ़ाने की अनुमति दे दी है। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर रात यह जानकारी शेयर बाजार को दी। 6 फरवरी तक आईसीआईसीआई समूह के पास एचडीएफसी बैंक में कुल 4.07 फीसदी हिस्सेदारी थी। आरबीआई की मंजूरी के बाद समूह अब अपनी हिस्सेदारी रणनीतिक रूप से बढ़ा सकता है। आरबीआई ने यह अनुमति एक साल की अवधि के लिए दी है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि आईसीआईसीआई समूह की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय 9.95 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि किसी वजह से हिस्सेदारी 5 फीसदी से नीचे चली जाती है, तो इसे फिर से 5 फीसदी या उससे अधिक बढ़ाने के लिए आरबीआई से नई मंजूरी लेनी होगी।

इसका मतलब है कि हिस्सेदारी बढ़ाने और बनाए रखने दोनों पर

आरबीआई की निगरानी बनी रहेगी। एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे बड़ा बैंक है, जिसकी बाजार पूंजीकरण लगभग 157 अरब डॉलर है।

आईसीआईसीआई समूह की हिस्सेदारी बढ़ाना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बाजार की नजर अब इस बात पर टिकी है कि आईसीआईसीआई समूह कितनी तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता है और इसका एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

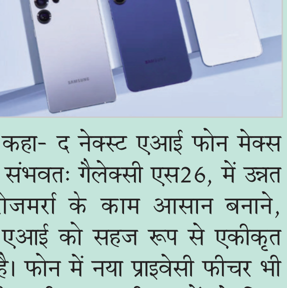

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़िबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

संस्थागत निवेशकों ने एथर एनर्जी में खरीदी 1.92 फीसदी हिस्सेदारी

- एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने एथर एनर्जी में अपनी 1.92 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। एनआईआईएफ ने यह सौदा अपनी सहयोगी इकाई एनआईआई-2 के माध्यम से किया। दिसंबर तिमाही के अंत तक एनआईआईएफ के पास यह हिस्सेदारी थी, जो अब पूरी तरह बिक चुकी है। खुली बाजार में हुई इस लेनदेन में मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सैश, सोसाइटी जनरली, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित प्रमुख संस्थागत निवेशकों ने कुल 73,33,219 शेयर खरीदे। औसत कीमत 710 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल सौदे का मूल्य लगभग 521 करोड़ रुपये बना। इस खरीद में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड और टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। इस सौदे के बाद एनआईआईएफ एथर एनर्जी में पूरी तरह बाहर हो गया है, जबकि संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ी है।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है।

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति ह्यनए भारतह्न और ह्यविकसित भारतह्न की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी।

एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो।

अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

संपादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है। निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है।

चिंतन-मनन

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नजर में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे।

जातिगत भेदभाव पर बाजिव है विपक्ष की चिंता?

डॉ हिदायत अहमद खान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जिसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों को राष्ट्र जीवन का आधार बनाया। बावजूद इसके समय-समय पर जाति-संप्रदाय और धर्म के नाम पर भेदभाव किए जाने और हिंसा एवं मावलिंचिंग जैसी कष्टप्रद घटनाएं जब सामने आती हैं तो बेहद अफसोस होता है। ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक व्यवहार के बीच अब भी एक गहरी खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने की बजाय और चौड़ी करने का कुत्सित कार्य गंदी राजनीति करने वाले तथाकथित नेता करते देखे जाते हैं। हर चुनाव से पहले इस पर चर्चा होती है और बदस्तूर घटनाएं भी होती हैं, इसलिए सभी कटघरे में खड़े होते हैं, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। बहरहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाया गया जातिगत भेदभाव का मुद्दा इसी खाई की ओर ध्यान आकर्षित करता है। इस संदर्भ में विपक्ष की चिंता न केवल उचित है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श का आवश्यक हिस्सा भी है। ओडिशा के एक आंगनवाड़ी केंद्र में दलित महिला द्वारा भोजन बनाए जाने के कारण बच्चों के बहिष्कार की घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं मानी जा सकती। यह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत के विकास और प्रगति के दावों को चुनौती देती है। आंगनवाड़ी केंद्र देश के सबसे संवेदनशील सामाजिक संस्थानों में से हैं, जहां बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखी जाती है। यदि वहीं जातिगत पूर्वाग्रह के आधार पर बहिष्कार जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि उन बच्चों के अधिकारों का भी हनन है, जिन्हें समान अवसर और पोषण मिलना चाहिए। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है, जबकि अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की स्पष्ट घोषणा करता है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21(क) शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है और अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। यदि जातिगत सोच के कारण पोषण कार्यक्रमों का बहिष्कार होता है, तो यह इन संवैधानिक प्रावधानों की भावना के विपरीत है। अतः ऐसे तमाम मामलों और घटित हुईं घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम होगी। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने इस संबंध में जिन अन्य घटनाओं का उल्लेख किया उनमें मध्य प्रदेश में आदिवासी मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार, गुजरात में दलित कर्मचारी की आत्महत्या और चंडीगढ़ में संस्थागत भेदभाव जैसी घटनाएं भी शामिल हैं। ये मामले दशार्ते हैं कि समस्या केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं है। यदि संस्थागत ढांचे में भी पूर्वाग्रह मौजूद हैं, तो यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसे कठोर कानूनों का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब उनका प्रभावी और निष्पक्ष क्रियान्वयन हो। यह भी सच है कि जातिगत भेदभाव का मुद्दा अक्सर राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाता है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप होते हैं, जिससे मूल समस्या कभी-कभी राजनीतिक शोर में दब जाती है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं कि मुद्दे की गंभीरता कम हो जाती है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार और समाज को आईना दिखाना भी है। यदि विपक्ष सामाजिक न्याय के प्रश्न को उठाता है, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय व्यापक सामाजिक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह ऐसी घटनाओं को अलग-थलग घटनाएं कहकर टालने के बजाय उनकी जड़ तक पहुंचे। त्वरित और निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही, सामाजिक जागरूकता अभियान चलाकर यह संदेश देना भी उतना ही जरूरी है कि जातिगत भेदभाव न केवल अवैध है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी, विद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में समानता और सम्मान के मूल्यों को व्यवहार में उतारने की जरूरत है। सामाजिक न्याय केवल विधायी प्रावधानों से स्थापित नहीं होता; वह समाज की मानसिकता में परिवर्तन से आता है। जब तक समाज के हर वर्ग में यह भावना विकसित नहीं होगी कि सम्मान और अधिकार जन्म से

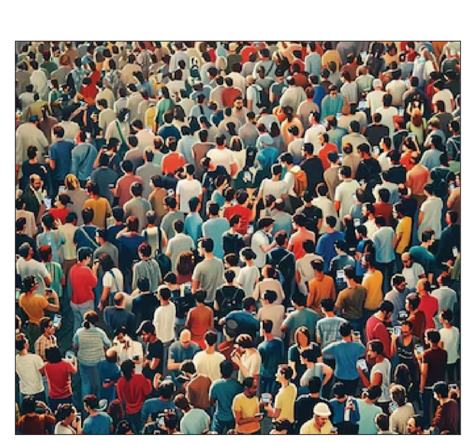

नहीं, बल्कि अच्छे मानव होने के नाते मिलते हैं, तब तक कठोर कानूनों की आवश्यकता बनी रहेगी। बच्चों के सामने यदि समानता का व्यवहार प्रस्तुत किया जाएगा, तभी वे भविष्य में भेदभाव से मुक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे। ऐसे में जातिगत ही नहीं बल्कि किसी भी प्रकार का भेदभाव जो समाज और समुदाय को तोड़ने का काम करता है वाला प्रश्न किसी एक दल या विचारधारा का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा का प्रश्न है। विपक्ष की चिंता इसलिए वाजिब है क्योंकि वह संविधान में निहित उस मूल भावना की याद दिलाती है, जिसे हम अक्सर भाषणों में दोहराते हैं पर व्यवहार में भूल जाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सामाजिक न्याय को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाए। तभी हम सही मायने में उस भारत की ओर बढ़ सकेंगे, जिसका सपना आाजादी के दीवानों और संविधान निमार्ताओं ने देखा था।

जान के लिए खतरा बन रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है।

आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरूआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं।

आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है।

आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला।

8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था।

4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार कर-के उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी।घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं।

इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंततः उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई।

उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए निःसंकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अतः इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है।आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

सोमालिया में लैंडिंग के दौरान यात्री विमान रनवे से फिसला

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु के मुख्य हवाई अड्डे पर एक यात्री विमान आपात लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसलकर समुद्र किनारे जा पहुंचा। विमान में करीब 50 लोग सवार बताए गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक टेकऑफ के कुछ समय बाद तकनीकी खराबी आने पर पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। हादसे के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान ने मोगादिशु के एडेन अब्दुल्ले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और वह उत्तरी शहर गालकायो जा रहा था। उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद तकनीकी समस्या सामने आई। इसके बाद विमान को वापस उतारने की कोशिश की गई। लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से आगे निकल गया और हिंद महासागर के किनारे जाकर रुक गया। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के निदेशक ने स्थानीय मीडिया को बताया कि यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित एयरलाइन स्टार्स्की एविएशन ने तुरंत कोई बयान जारी नहीं किया। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

तुर्किए की छात्रा रुमेइसा ओजतुर्क को अमेरिका से निकाले जाने पर रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक इमिग्रेशन कोर्ट ने तुर्की की छात्रा रुमेइसा ओजतुर्क को देश से डिपोर्ट करने पर रोक लगा दी है। ओजतुर्क टफ्ट्स विश्वविद्यालय में पीएचडी की छात्रा हैं और बच्चों व सोशल मीडिया के रिश्ते पर शोध कर रही हैं।उनके वकीलों के अनुसार, कोर्ट ने कहा कि होमलैंड सुरक्षा विभाग यह साबित नहीं कर पाया कि ओजतुर्क को अमेरिका से हटाया जाना चाहिए। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रही डिपोर्टेशन की कार्रवाई भी खत्म कर दी है। हालांकि सरकार के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प मौजूद है। ओजतुर्क को पिछले साल मार्च में मैसाचुसेट्स में उनके घर के पास गिरफ्तार किया गया था। उस समय डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन विदेशी छात्रों और फिलिस्तीन समर्थक गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्ती कर रहा था। ओजतुर्क ने इस्राइल और गाजा युद्ध को लेकर अपनी यूनिवर्सिटी की नीति की आलोचना करते हुए एक लेख भी लिखा था। वीडियो में देखा गया था कि नकाबपोश एजेंट्स उन्हें हथकड़ी लगाकर बिना नंबर की गाड़ी में ले गए। बाद में एक फेडरल जज ने कहा कि उनके मामले में अभिव्यक्ति की आजादी और कानूनी प्रक्रिया से जुड़े गंभीर सवाल हैं। ओज़तुर्क ने कहा कि यह फैसला अन्य पीड़ितों के लिए उम्मीद की किरण है।

अल्बानिया की राजधानी में सरकार विरोधी प्रदर्शन हिंसक

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया की राजधानी तिराना में मंगलवार रात सरकार विरोधी प्रदर्शन हिंसक हो गया। हजारों प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्रीएडी राम के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने हालात काबू में करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार, 16 प्रदर्शनकारियों को जलने और अन्य चोटों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मोलोटोव कॉकटेल और फ्लेयर फेंके थे। यह विरोध प्रदर्शन उप प्रधानमंत्री बेलिंडा बल्लुकु पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हुआ। उन पर निर्माण परियोजनाओं में गड़बड़ी के आरोप हैं और अभियोजकों ने उनकी संसदीय छूट हटाने की मांग की है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता साली बेरिशा ने इसे शांतिपूर्ण आंदोलन बताया, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इससे बड़े बदलाव की संभावना कम है। अल्बानिया यूरोपीय संघ में शामिल होने की कोशिश कर रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार अब भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

नेपाल में तमाकोशी नदी में गिरी बस, 12 लोगों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के बागमती प्रांत में यात्रियों से भरी एक बस के तमाकोशी नदी में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार सुबह उस वक्त हुआ, जब बस काठमांडू से ओखलढुंगा जा रही थी। रामेछाप नगरपालिका के लीलाउती के पास बस अचानक नदी में गिर गई और चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू, परमाणु वार्ता पर रखेंगे पक्ष; अन्य मुद्दों पर भी चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। हाल ही में ओमान में दोनों देशों के बीच पर परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। जिसकी जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्राइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से ऊर्जा नीति और नियमों में ढील (डीरेगुलेशन) पर चर्चा होने की संभावना है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान लेविट ने यह भी घोषणा की है कि राष्ट्रपति ट्रंप साल 2009 में ओबामा प्रशासन के दौरान किए गए 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' (खतरा निर्धारण) को रद्द करने जा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति इस्राइली पीएम नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस सप्ताह का बाकी समय ऊर्जा और डीरिगुलेशन पर केंद्रित रहेगा। गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप, प्रशासक ली जेल्डिन के साथ मिलकर 2009 की ओबामा-कालीन एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को औपचारिक रूप से रद्द करेंगे। यह अमेरिकी

इतिहास की सबसे बड़ी डीरेगुलेशन कार्रवाई होगी, जिससे अमेरिकी नागरिकों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर के कठोर नियमों से राहत मिलेगी।'

ट्रंप-एपस्टीन को लेकर क्या बोला व्हाइट हाउस : इसी के साथ व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति हमेशा एक जैसे रहे हैं और उन्होंने जेफरी एपस्टीन को मार-ए-लागो में अपने क्लब से निकाल दिया था, क्योंकि जेफरी एपस्टीन एक घिनौना इंसान था। इन फाइलों में जिन दूसरे लोगों के नाम हैं, उनसे अलग, राष्ट्रपति ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन के साथ अपने रिश्ते खत्म कर दिए और साल तक इस बारे में ईमानदार और पारदर्शी रहे। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ने जो भी कहा है, वह हमेशा सच रहा है। जेफरी एपस्टीन और उसके घिनौने, घिनौने अपराधों से जुड़े 30 लाख से ज्यादा दस्तावेज का जारी होना दिखाता है कि इस राष्ट्रपति और प्रशासन ने इन फाइलों को सामने लाने में कितनी पारदर्शिता दिखाई है।'

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से बात करेंगे नेतन्याहू : मंगलवार को वॉशिंगटन रवाना होते समय नेतन्याहू ने कहा कि वे ट्रंप से मुलाकात में ईरान के साथ अमेरिका की परमाणु वार्ता पर अपना रुख रखेंगे। 'द टाइम्स ऑफ इस्राइल' के अनुसार उड़ान भरने से पहले नेतन्याहू ने मीडिया से कहा, 'मैं राष्ट्रपति के सामने वार्ता को लेकर अपने सिद्धांतों और दृष्टिकोण को पेश करूंगा।' उन्होंने आगे कहा कि ये सिद्धांत न सिर्फ इस्राइल के लिए बल्कि दुनिया के हर उस देश के लिए अहम हैं, जो शांति और सुरक्षा चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन गुरुवार को उस वैज्ञानिक निर्णय को औपचारिक रूप से रद्द करने जा रहा है, जिसके आधार पर अमेरिका में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अधिकार सरकार को मिला था। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (श्वक्क) ने पिछले साल 2009 की एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को पलटने का प्रस्ताव रखा था, जिसे जलवायु कार्रवाई के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह फैसला पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में लिया गया था, जिसमें कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन सहित छह ग्रीनहाउस गैसें मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती हैं। यह निर्णय 2007 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले, मैसाचुसेट्स बनाम ईपीए, पर आधारित था, जिसमें यह फैसला सुनाया गया था कि ग्रीनहाउस गैसें स्वच्छ वायु अधिनियम के तहत प्रदूषक हैं और ईपीए को यह निर्धारित करने का निर्देश दिया गया था कि क्या वे सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा पैदा करती हैं।

एयरस्पेस दिया, पोर्ट दिया, अमेरिका के लिए क्या नहीं किया हमें टॉयलेट पेपर की तरह यूज कर फेंक दिया: पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले दिनों पाकिस्तान और अमेरिका की दोस्ती काफी चर्चा में रही। लेकिन लगता है अमेरिका को लेकर पाकिस्तान के रुख में फिर से बदलाव आ रहा है। इस बात के संकेत मिले हैं पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान से। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने अमेरिका पर पाकिस्तान का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने यह बयान पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान का टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल किया। जब उसका काम निकल गया तो उसने हमें फेंक दिया।

जियाउल हक और परवेज मुशर्रफ पर निशाना : अपने इस बयान में ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के दो पूर्व सेना प्रमुखों को भी निशाने पर लिया है। उन्होंने जनरल जियाउल हक और परवेज मुशर्रफ को नाम लेते हुए उन्हें इसका जिम्मेदार बताया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने संसद में बोलते हुए कहाकि 1980 के दशक में अफगानिस्तान में रूस के खिलाफ विद्रोह हुआ जो अमेरिका के इशारे पर किया गया। उस वक्त पाकिस्तानी हुकूमत ने अपने हित को देखते हुए इसमें अपने लोगों को शामिल कर लिया, जो बड़ी गलती थी। उन्होंने आगे कहाकि हकीकत में यह जिहाद नहीं था, जिसे जिहाद का नाम दे दिया गया। रूस ने

अफगानिस्तान पर कोई कब्जा नहीं किया था, बल्कि तब की सरकार ने रूस को बुलाया था। हमें इस जंग में शामिल ही नहीं होना चाहिए था। पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ नेशनल असेंबली में कह रहे हैं कि अफगानिस्तान की जमीन पर लड़ी गई दो जंगों में मजहब या इस्लाम के लिए शिरकत नहीं की थी। हमने इन जंगों में सिर्फ इसलिए शिरकत की क्योंकि दोनों तानाशाहों को मान्यता चाहिए थी और एक सुपरपॉवर की तारीफ चाहिए थी। ख्वाजा आसिफ ने कहाकि उसके लिए हमने अपना करिकुलम तक बदल दिया और आज तक यह करिकुलम बहाल नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को खुश करने के लिए हमने अपने इतिहास तक को फिर से लिख डाला। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? पाकिस्तानी रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ यहीं नहीं रुके। उन्होंने साल 2001 का भी जिक्र किया। आसिफ ने कहाकि साल 2001 में भी हमने गलती की। अमेरिका का साथ देने के लिए हम तालिबान के खिलाफ हो गए। अमेरिका तो वहां से चला गया, लेकिन नुकसान हमने उठाया।

दो प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद बवाल, ICE प्रमुख ने यूएस कांग्रेस के सामने किया अपने अधिकारियों का बचाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन नीति के खिलाफ डेमोक्रेट्स और आम लोगों में गुस्सा है। इस बीच आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) प्रमुख टॉड लायन्स कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सामने पेश हुए, जहां उन्होंने अपने अधिकारियों की कार्रवाई का बचाव किया। इसी के साथ लायन्स ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सामूहिक निर्वासन (डिपोर्टेशन) नीति को लागू करते समय उनके अधिकारी किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेंगे। टॉड लायन्स उन तीन एजेंसी प्रमुखों में शामिल थे, जिन्हें दो अमेरिकी नागरिकों की संघीय अधिकारियों की गोलीबारी में मौत के बाद संसद में बुलाया गया। इस सुनवाई के दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने कड़े सवाल किए, जबकि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने एजेंसियों का समर्थन किया। इस दौरान लायन्स ने कहा, 'जो लोग सोचते हैं कि वे हमें डरा सकते हैं, उन्हें मैं साफ संदेश देना चाहता हूं, वे असफल होंगे। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अधिकारियों के खिलाफ बढ़ती बयानबाजी

और विरोध प्रदर्शनों से उनके कर्मचारियों की जान खतरे में पड़ी है। हालांकि, उन्होंने दोनों मौतों पर सीधे टिप्पणी करने से कई बार परहेज किया, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके अधिकारी पीछे नहीं हटेंगे। दरअसल, हाल के हफ्तों में विशेषकर मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में हुई मौतों के बाद, ट्रंप के आव्रजन अभियान की गहन जांच-पड़ताल की गई है। एजेंसियों को उन नीतियों के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिनके बारे में आलोचकों का कहना है कि वे गिरफ्तारी का सामना कर रहे प्रवासियों और इन कार्रवाइयों का विरोध कर रहे अमेरिकियों, दोनों के अधिकारों का हनन करती हैं। मंगलवार की गवाही से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की इस प्रमुख नीति को लेकर पनप रहे तनाव को शांत करने की संभावना कम ही है।

बीएनपी ने की मतदान केंद्रों पर फजर की नमाज पढ़ने की अपील

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के प्रमुख तारिक रहमान ने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से एक अनोखी अपील की है। उन्होंने कहा है कि चुनाव के दिन मतदान केंद्रों पर पहुंचकर फजर की नमाज अदा करें और वहां से वोटों की गिनती पूरी होने तक न हटें। बीएनपी प्रमुख के इस अपील के बाद चर्चाओं के बाजार गरम है, और लोग कई तरह के कयास लगा रहे हैं। लोग ये भी जानना चाहते हैं कि अखिर बीएनपी प्रमुख ने इस तरह की अपील क्यों की? ढाका के जात्राबारी में रैली में तारिक रहमान ने कहा कि मतदान केंद्र पर जाएं और वहां फजर की नमाज अदा करें। वहीं रुकें ताकि कोई साजिश न रच सके। वोट डालना काफी नहीं है। वोट डालने के बाद मत जाइए। सुनिश्चित करें कि वोटों की सही गिनती हो। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग कहते हैं कि फजर के बाद लाइन में

लगें। मैं कहता हूं कि इस बार जल्दी उठें, तहज्जुद पढ़ें और फिर मतदान केंद्र जाएं। बता दें कि फजर की नमाज सुबह की अनिवार्य प्रार्थना है, जबकि तहज्जुद रात की स्वैच्छिक नमाज है, जो मुश्किल समय में ईश्वर से मदद मांगने से जुड़ी होती है।

इस अपील के पीछे मुख्य मकसद : दरअसल, बांग्लादेश में चुनाव से पहले हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जैसे मतदान केंद्रों में आगजनी, हथियारों के साथ गिरफ्तारियां, और राजनीतिक हत्याएं हो चुकी है। कहा तो ये भी जा रहा है कि पुलिस की कमी के कारण कानून-व्यवस्था बहुत ही खराब है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि अंतरिम सरकार (मोहम्मद यूनुस) के तहत पुलिस बल कमजोर है, जिससे केंद्रों पर कब्जे या गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि बीएनपी को संस्थाओं पर पूरा भरोसा नहीं है, इसलिए समर्थकों से कहा जा रहा है कि वे सुबह जल्दी पहुंचकर पूरे दिन मौजूद रहें। बता दें कि पुलिस-प्रशासन ने लगभग 24000 मतदान केंद्रों (कुल 42779 में से आधे) को उच्च या मध्यम जोखिम वाला बताया है।

गौरतलब है कि शेख हसीना के विरोध प्रदर्शनों के बाद पुलिस बल कमजोर हुआ है। यूनुस की अंतरिम सरकार हिंसा रोकने और सुधारों में नाकाम रही है। ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में कहा गया कि मनमानी गिरफ्तारियां जारी हैं और राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध हैं। नोआखली और पटुआखली में हिंसा से 39 लोग घायल हुए। नेत्रकोना में पांच संस्थानों में आग लगाई गई।

भोला में तलवारें लहराकर मतदाताओं को डराया गया। केरानीगंज में एक बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या हुई। मानवाधिकार समूह ऐन ओ सालिश केंद्र के अनुसार, जनवरी 2026 में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं दिसंबर की तुलना में तीन गुना बढ़ी है। 75 घटनाओं में 616 घायल और 11 मौतें हुईं।

ट्रंप अपनी ही पार्टी के सांसदों से घिरे, चुनाव में धांधली की जांच में दखल पर कटघरे में राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से 2020 के चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिशों की जांच को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों ने आरोप लगाया है कि जांच के दौरान कुछ मौजूदा सांसदों के फोन रिकॉर्ड हासिल करने के लिए हद से ज्यादा दखल देने वाले तरीके अपनाए गए। मंगलवार को सीनेट की एक सुनवाई में रिपब्लिकन नेताओं ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों से सवाल किए कि उन्होंने अभियोजकों को सांसदों के फोन रिकॉर्ड क्यों दिए? मामले में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अगर ऐसा किसी डेमोक्रेट सांसद के साथ होता, तो यह दुनिया भर की सुर्खियां बनता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरे साथ जो हुआ, मैं उसका हकदार था। जांच के दौरान अभियोजकों ने उन सांसदों के कॉल रिकॉर्ड लिए थे, जिनसे ट्रंप ने 6 जनवरी 2021 को संपर्क किया था। उस दिन कांग्रेस में जो बाइडन की जीत की पुष्टि हो रही थी। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया कि रिकॉर्ड में सिर्फ यह जानकारी थी कि कॉल कब हुई और कितनी देर चली। बातचीत की सामग्री रिकॉर्ड नहीं की गई थी।

20 रिपब्लिकन सांसदों के रिकॉर्ड मांगे गए : सीनेट न्यायिक समिति के अध्यक्ष चक ग्रासले ने बताया कि कुल मिलाकर 20 मौजूदा या पूर्व रिपब्लिकन सांसदों के फोन रिकॉर्ड के लिए समन जारी किए गए थे। वहीं डेमोक्रेट सांसदों ने रिपब्लिकन नेताओं की नाराजगी को गलत बताया। उनका कहना है कि 6 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल भवन पर हमला किया था, जो लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। ऐसे में यह जांच जरूरी था। डेमोक्रेट सीनेटर शेल्डन व्हाइटहाउस ने कहा कि न्याय विभाग की जांच, कैपिटल पर हुए हमले से ज्यादा गंभीर नहीं थी। वहीं पूर्व संघीय अभियोजक माइकल रोमानो ने भी कहा कि फोन कॉल के रिकॉर्ड जुटाना किसी भी आपराधिक जांच में सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से रिकॉर्ड जुटाए जाने से कोई नुकसान नहीं हुआ। टेलीकॉम कंपनियों के वकीलों ने सुनवाई में कहा कि उन्होंने सिर्फ कानून का पालन किया। वेरिजोन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी क्रिस मिलर ने कहा कि हमें कानून के तहत यह जानकारी देने के लिए बाध्य किया गया था। हम वैध कोर्ट ऑर्डर को नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी बताया कि समन में यह नहीं बताया गया था कि ये नंबर सांसदों के हैं। साथ ही, कोर्ट के आदेश के कारण कंपनी संबंधित नेताओं को पहले से सूचना भी नहीं दे सकती थी। इसके साथ ही टी-मोबाइल और एटीएंडटी ने भी इसी तरह का बयान दिया।

सोशल मीडिया की लत पर ऐतिहासिक मुकदमा, बच्चों को नुकसान के लिए मेटा-यूट्यूब को जिम्मेदार ठहराने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। बच्चों और किशोरों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को लेकर अमेरिका में बड़ा कानूनी मोर्चा खुल गया है। लॉस एंजिलिस में एक ऐतिहासिक मुकदमे की शुरुआती सुनवाई हुई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बड़े सोशल मीडिया मंच जानबूझकर बच्चों को स्क्रीन का आदी बना रहे हैं। इस मामले में इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा और गूगल के यूट्यूब को बच्चों को हुए मानसिक और व्यवहारिक नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग उठी है। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के वकील मार्क लैनियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तुलना कैसीनो और नशे की लत से की। उन्होंने कहा कि इन प्लेटफॉर्म का डिजाइन ऐसा बनाया गया है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा समय तक जुड़े रहें। मुकदमे में दावा किया गया कि एल्गोरिदम, ऑटो-प्ले, अनंत स्क्रोल और रिवार्ड पैटर्न जैसे फीचर लत पैदा करने वाले तरीके से तैयार किए गए।

डिजाइन से लत लगाने का आरोप : वादी पक्ष ने अदालत में कहा कि मेटा और यूट्यूब ने ऐसे डिजाइन विकल्प अपनाए जो बच्चों को बार-बार प्लेटफॉर्म पर लौटने के लिए उकसाते हैं। आरोप है कि यह केवल तकनीकी सुविधा नहीं बल्कि सोच-समझकर बनाई गई रणनीति है। पहले इस मुकदमे में टिकटॉक और स्नैप का नाम भी शामिल था, लेकिन दोनों कंपनियों ने अज्ञात राशि पर समझौता कर लिया। अब मुख्य सुनवाई मेटा और यूट्यूब पर केंद्रित है।

कंपनियों का जवाब और वैज्ञानिक बहस : मेटा की ओर से पेश वकील पॉल शिमट ने अदालत में कहा कि सोशल मीडिया लत पर वैज्ञानिक समुदाय में एक राय नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि लत का दावा अभी भी बहस का विषय है। यूट्यूब की ओर से वकील ने भी अपने प्रारंभिक जवाब की तैयारी की। अदालत में दोनों पक्षों के बीच प्लेटफॉर्म के असर और जिम्मेदारी को लेकर तीखी बहस देखने को मिली।

आंतरिक दस्तावेजों का हवाला : वादी पक्ष के वकील ने गूगल और मेटा के आंतरिक दस्तावेज और ईमेल का भी जिक्र किया। अदालत में बताया गया कि कुछ आंतरिक नोट्स में उत्पादों की तुलना कैसीनो मॉडल से की गई थी। मेटा कर्मचारियों के बीच संवाद का हवाला देते हुए कहा गया कि इंस्टाग्राम को नशे जैसा बताया गया था। वकील ने सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना तंबाकू कंपनियों से भी की।

बच्चों की मानसिक कमजोरी पर फोकस : सुनवाई में यह भी कहा गया कि कंपनियों को पता था कि तनाव और भावनात्मक दबाव झेल रहे बच्चे लत के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं। एक आंतरिक शोध का जिक्र करते हुए बताया गया कि किशोरों और उनके माता-पिता पर सर्वे में यह बात सामने आई थी। आरोप है कि कंपनियों ने इन जानकारियों के बावजूद डिजाइन नहीं बदला। मुकदमे को बच्चों की डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा बड़ा कानूनी परीक्षण माना जा रहा है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, शूटर समेत 9 की मौत

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में मंगलवार को एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। संदिग्ध महिला ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बताया कि संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल ड्रेस पहन रखी थी और उसके बाल भूरे थे। उसका शव स्कूल के अंदर मिला। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी है। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे) पर स्कूल में गोलीबारी की खबर मिली थी। जब अधिकारी हाई स्कूल पहुंचे तो वहां छह लोग मृत मिले। एक अन्य घायल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। इसके अलावा, पास के एक घर में दो और लोगों के शव मिले। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह इस घटना से बेहद दुखी हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना जताई और राहतकर्मियों की तारीफ की।

छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया : हमलावर के अलावा छह और लोग स्कूल के अंदर मृत मिले। दो घायलों को गंभीर हालत में हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा गया। एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। करीब 25 लोगों को हल्की चोटों के साथ स्थानीय मेडिकल सेंटर में इलाज के लिए ले जाया गया। पुलिस अधिकारी केन फ्लॉयड ने बताया कि स्कूल से लगभग 100 छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गोलीबारी की वजह अभी साफ नहीं है।

हादसे वाली जगह पर इमरजेंसी अलर्ट खत्म : ब्रिटिश कोलंबिया की पब्लिक सेफ्टी मंत्री और सॉलिसिटर जनरल नीना क्रिगर ने इस गोलीबारी को 'दिल दहला देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार लोगों की मदद के लिए हर संभव मदद करेगी। क्रिगर ने कहा कि आरसीएमपी ने टम्बलर रिज में जारी इमरजेंसी अलर्ट खत्म कर दिया है। पुलिस का मानना है कि अब कोई अन्य संदिग्ध फरार नहीं है और आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। इस बीच, टम्बलर रिज के एलीमेंट्री और सेकेंडरी स्कूलों को इस हफ्ते के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है। स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने ऑनलाइन जारी बयान में कहा कि इस दुखद घटना के कारण दोनों स्कूल पूरे हफ्ते बंद रहेंगे।

स्कूलों में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था : पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है।

हेल्थ प्लस

नियम से ही भोजन करें

- प्रात: का नाश्ता भारी, दिन का खाना सही और रात को हल्का भोजन करना चाहिए।
- यदि दिन का भोजन रात्रि तक पचा हुआ महसूस न हो तो ऐसे में रात्रि में केवल खिचड़ी या फल और दूध लें।
- भोजन करने से पहले अच्छी तरह हाथ, मुंह धोकर भोजन करें।
- जब भूख जोर से लगी हो, उस समय खाली जल पीना भी नुक्सान पहुंचाता है। ऐसे में यदि खाना उपलब्ध होने में देर लगे तो एक बिस्कुट के साथ एक गिलास पानी पी लें।
- प्रयास करें कि भोजन नियमित समय पर ही खाएं।
- दोपहर के भोजन में दही, मट्ठा और लस्सी लेना उचित है। रात्रि के भोजन में इन चीजों से परहेज करना चाहिए।
- बासी और जला हुआ खाना स्वास्थ्य को लाभ के स्थान पर हानि पहुंचाता है। ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम माना जाता है।

- भोजन शांत मन से बनाएं, खिलाएं और खाएं। भोजनोपरांत क्रोध करना स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है।
- अपने पेट को 'डस्टबिन' समझ कर उसमें सब कुछ मत ठूंसें। भूख से कम भोजन खाना चाहिए।
- रात्रि का भोजन कम से कम सोने से 2 घंटे पूर्व करें। दिल के मरीजों को भोजन के बाद टहलना नहीं चाहिए।
- भोजन के बीच में थोड़ा पानी पिएं। भोजनोपरांत पानी मत पिएं। कम से कम एक घंटे बाद पानी का सेवन करें।
- भोजन चबा कर खाना चाहिए। शीघ्र भोजन करना शरीर में अपच पैदा करता है।
- जहां भोजन खा रहे हैं, ध्यान रखें, वह स्थान स्वच्छ होना चाहिए।
- प्रयास करें कि टी.वी. देखते समय भोजन न खाएं क्योंकि भोजन की अधिक मात्रा शरीर में चली जाती है।
- भोजन के तुरंत पश्चात व्यायाम न करें।

मेथीदाना छोटा मत समझो

- मेथीदाने में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इससे खून की कमी से लड़ा जा सकता है।
- मेथीदाने को पानी में उबाल कर गरारे करें। खराब गला ठीक हो जाएगा।
- दो चम्मच मेथीदाने को एक कप चावल के साथ पकाएं और हल्का नमक मिला कर 15 दिन तक खाएं। इससे शरीर में खून की कमी में सुधार होगा।
- 2 चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को रोज दूध के साथ 1 महीने तक खाएं। शूगर की बीमारी के शुरूआती दिनों में आराम मिलेगा।
- लिवर खराब होने पर मेथीदाने को अंकुरित करें और रोज सुबह नाश्ते में खाएं।
- 2 चम्मच मेथीदाने को नारियल पानी या छाछ में कुछ घंटे भिगो कर रखें। इसे पीने से पेचिश में आराम मिलता है।
- अल्सर या छाला होने पर मेथीदाने को पीस कर पेस्ट बनाएं और छालों पर लगाएं।
- स्तनपान कराने वाली माएं आधा चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को दलिए में मिला कर खाएं। इससे बच्चे को दूध की मात्रा अधिक मिलेगी।

अमृतफल है आंवला

आंवला खूबसूरती में चार चांद लगाता है। इससे ढीली पड़ती त्वचा में कसाव आता है और झुर्रियां भी नहीं पड़ती।

- कब्ज होने पर 1 चम्मच सूखा आंवला पानी में भिगोएं और सुबह छान कर उसमें शहद मिलाकर पिएं।
- यूरीन की समस्या से ग्रस्त होने पर 2 चम्मच सूखा आंवला और किशमिश पानी में भिगोएं। अगले दिन उसको मसल कर छान लें, फिर उस पानी को पिएं। कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से समस्या में आराम मिलता है।
- सिर दर्द या सिर के भारी होने पर ताजे आंवले को पीस कर उसका पेस्ट सिर पर लगाएं। दर्द में आराम मिलेगा।
- मुंह में छाले होने पर आंवले की छाल पीस कर पाऊडर बना लें। उसमें शहद मिलाकर छालों पर लगाएं।
- त्वचा की समस्या होने पर आंवले का पाऊडर साबुन की जगह इस्तेमाल करें।
- याददाश्त कम होने पर 1 छोटा चम्मच सफेद तिल और 1 चम्मच आंवले की जड़ का पाऊडर बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को 1 चम्मच शहद के साथ कुछ समय तक खाएं। स्मरण शक्ति में लाभ मिलेगा।

स्वस्थ रहें

ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, हृदयरोग, पेट संबंधी रोग आजकल आम होते जा रहे हैं। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा मिलेगा जो किसी न किसी रोग से ग्रस्त न हो।

आजकल का रहन-सहन, उलटा-सीधा खाना, पदार्थों में मिलावट, समय से न खाना आदि अनेक कारणों से भी रोग हो रहे हैं।

रोग होने पर इलाज कराना जरूरी है। इलाज के लिए डाक्टर के पास जाएं। हम अगर कुछ बातों पर ध्यान दें तो काफी हद तक रोग को दूर रख सकते हैं :

- रोज सुबह घूमने जाएं। योग या अन्य व्यायाम नियमित करना हितकर है।
- खाना समय पर ही खाएं। बाजार की तेज मसाले वाली और बासी चीजें खाने से बचें। हर समय मुंह न चलाते रहें।
- पैदल चलने की आदत डालें। कम दूरी के लिए स्कूटर या अन्य वाहन का सहारा लेना सही नहीं है।
- खाने में हरी सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें। चिकनाई व कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाली चीजें कम खाएं।
- मौसम के अनुसार फलों का सेवन जरूर करें।
- खाने के साथ सलाद लेने की आदत डालें।
- संयम, संतुलित आहार, शारिरिक श्रम से हम काफी हद तक बीमारियों को अपने से दूर रख सकते हैं।
- व्यायाम के साथ-साथ पौष्टिकता से भरपूर भोजन लेने से आपका शरीर स्वस्थ, सुन्दर एवं आकर्षक लगने लगेगा।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

सेहत के लिए वरदान हैं पत्तियां

प्राचीन काल से पेड़-पौधे मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। पेड़ों के फल व फूल जहां मानव का पेट भरने व मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं पत्तियों की भी हमारे जीवन में विशेष भूमिका है। ये मानव के स्वास्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। अधिकांश लोग इस बात से अपरिचित हैं कि पत्तियों का प्रयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है।

- नीम की पत्तियों से साबुन व टूथपेस्ट बनाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाने से खुजली आदि में आराम मिलता है। नीम की पत्तियों को सुबह चबा कर खाने से खून साफ होता है व कील-मुंहासे नहीं निकलते हैं। झाइयां व दाग-धब्बे दूर करने में नीम की पत्तियों का लेप लाभप्रद है।
- मुंह के छाले होने पर मेहंदी के पत्ते को पानी में उबालकर उस पानी से गरारे करें। इसके पत्तों को पीस कर सिर पर मलने से सिरदर्द व आंखों की जलन में राहत मिलती है।
- पालक के पत्ते पेट को साफ रखने में सहायक हैं। इसके पानी से गरारे करने से गले के दर्द में आराम मिलता है। पालक के पत्तों में मौजूद कैल्शियम दांतों व मसूड़ों को मजबूत बनाता है। इसके नियमित प्रयोग से कब्ज की बीमारी से मुक्ति मिलती है। पालक में विटामिन-ए विशेष मात्रा में होता है। इससे आंखों की ज्योति बढ़ती है।
- पेचिश रोग होने पर अमरूद के पत्तों का रस उबाल कर पिएं।
- दांत के दर्द में अमरूद की पत्तियां चबाने से आराम मिलता है।
- नेत्र-ज्योति में वृद्धि करने हेतु बंदगोभी के पत्तों को सलाद के रूप में नियमित प्रयोग करें।
- मूली के पत्तों का रस पथरी रोग में लाभप्रद है।
- सिरदर्द होने पर हरे धनिये के पत्तों का रस नाक में टपकायें।
- नींबू के रस में मेथी के पत्तों को पीसकर बालों में लगाने से बाल घने, काले व मुलायम हो जाएंगे।
- तुलसी की 2-3 पत्तियों को प्रतिदिन खाली पेट खाने से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। शहद के साथ तुलसी के पत्ते खाने से खांसी दूर होती है।
- बुखार व बदन दर्द में इसके पत्तों का काढ़ा बना कर पिएं।
- पान के पत्ते पर घी लगाकर जख्म को सेकने से उसमें मवाद आसानी से निकल जाता है।
- आम की पत्तियों में फ्लोराइड होता है अत: इन्हें चबाने से दांत चमकदार व मजबूत रहते हैं।
- करेले के पत्तों का रस पेट के कीड़ों को नष्ट करता है।
- गुर्दे के दर्द में अंगूर के पत्तों का रस थोड़े से पानी में उबालकर काले नमक के साथ पिएं।

सुबह की सैर

सुबह की सैर एक उत्तम व्यायाम है। इससे शरीर की समस्त इंद्रियां चुस्त-दुरूस्त रहती हैं। सैर करने से शरीर की अनावश्यक चर्बी घटती जाती है और बदन सुडौल व स्वस्थ बना रहता है। सैर हमेशा शौचादि क्रिया से निवृत्त होकर करनी चाहिए। जहां तक संभव हो हरियाली वाले क्षेत्र यानी बाग-बगीचे में ही सैर करें। हरी घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। घुटनों में जकड़न या दर्द हो, आर्थराइटिस या गठिया रोग हो तो नियमित रूप से सैर करने से पीड़ित व्यक्ति को फायदा पहुंचता है। जो लोग हृदय रोग के शिकार हैं उनके लिए पैदल चलना सबसे अच्छा व्यायाम है। उन्हें साधारण गति से पैदल चलना चाहिए। इससे हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और हृदय सुचारू रूप से कार्य करता है। सुबह की सैर से पाचन तंत्र ठीक रहता है। पेट संबंधी रोग व स्वास्थ्य की दुश्मन कब्ज भी दूर होती है। नियमित सैर करने से शरीर की ही नहीं दिमाग की कार्यकुशलता भी बढ़ती है। सैर करते समय तंग कपड़े नहीं पहनने चाहिएं और न ही सैंडिल या तंग जूते। बीमार व्यक्ति को सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और अधिक थक जाता है। इससे उसके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1986

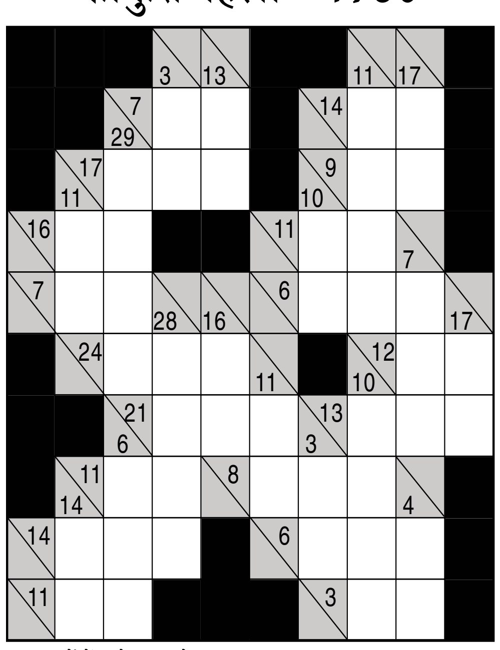

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणत:

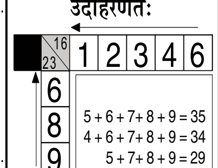

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1985 का हल

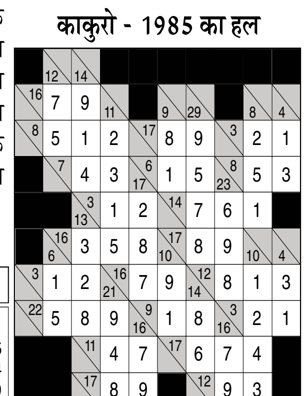

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1986

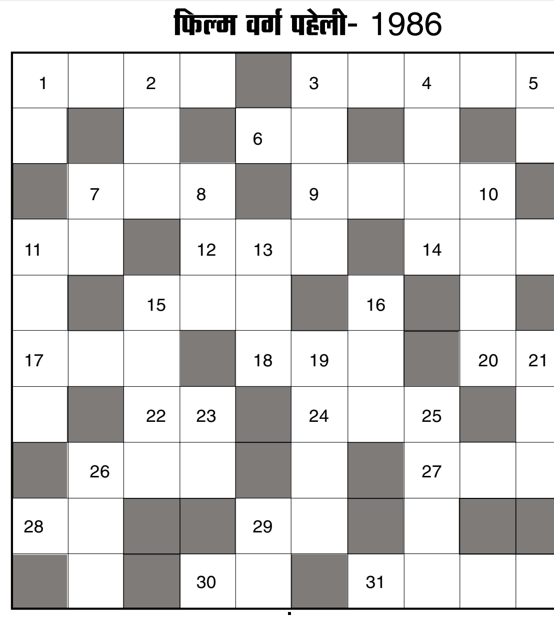

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1985

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
श		ज	य	श	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सूडोकु -1986

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1985 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 1986

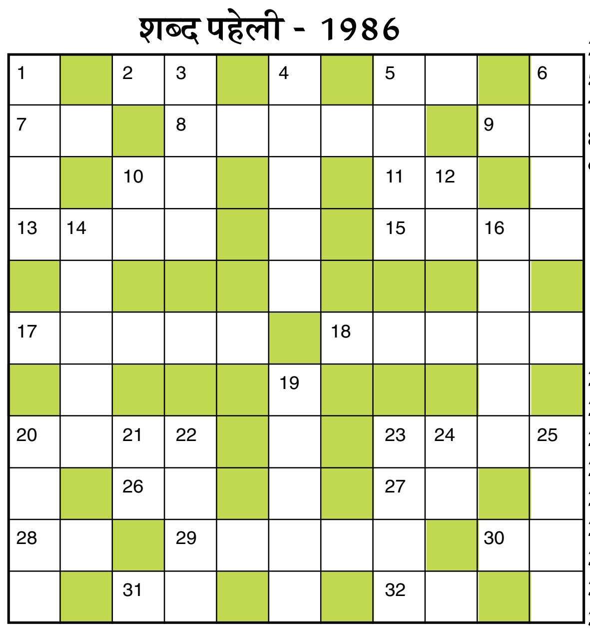

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली - 1985 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्क	र		र्म	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र

पुस्तक 'गूंजे देश राग' का लोकार्पण, सच्चिदानंद जोशी बोले- लेखक का जीते-जी सम्मान करो तो उसे संतोष मिले

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ लेखक, रंगकर्मी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी की पुस्तक 'गूंजे देश राग' का लोकार्पण एवं पुस्तक-परिचर्चा कार्यक्रम साहित्य अकादमी नई दिल्ली में हुआ। पुस्तक का प्रकाशन यश पब्लिकेशंस ने किया है। यह पुस्तक डॉ. सच्चिदानंद जोशी की विदेश यात्राओं से जुड़े अनुभवों पर केन्द्रित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री व्योमेश शुक्ल और विशेष अतिथि प्रख्यात ट्रैवल ब्लॉगर डॉ. कायनात काजी रहे। इस अवसर पर यश पब्लिकेशन के निदेशक जतिन भारद्वाज भी उपस्थित रहे। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने पुस्तक की रचना-प्रक्रिया, प्रेरणा-स्रोतों और इसके शीर्षक के निहितार्थ पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यह यात्रा वर्णन उस तरह से नहीं लिखा गया है, जैसे आमतौर पर यात्रा वर्णन लिखे जाते हैं। यह पुस्तक यात्राओं के दौरान मिले मानवीय अनुभवों, आत्मीय व्यवहार और गहरी संवेदनाओं को सहेजने के उद्देश्य से लिखी गई है। जब आप विदेश में जाते हैं, तो कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जो दिल को छू जाती हैं। तब आप उसे लोगों को बताना चाहते हैं। इस पुस्तक के जरिये मैंने यही प्रयास किया है।

विधानसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए उप चुनाव आयुक्तों का दल पहुंचा चेन्नई

चेन्नई। तमिलनाडु और पुडुचेरी में वर्ष 2026 के अप्रैल-मई में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए भारत के उप चुनाव आयुक्तों के नेतृत्व में सात सदस्यीय दल चेन्नई पहुंचा। दल में उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश, मनेश गर्ग, पवन कुमार शर्मा, संजय कुमार और आशीष गोयल सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। टीम एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली से चेन्नई पहुंची। चेन्नई के घरेलू हवाई अड्डे पर तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पट्टनायक ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। उप चुनाव आयुक्त मनेश गर्ग ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि चुनाव आयोग की यह नियमित प्रक्रिया है कि वह राज्यों का दौरा कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा करे। उन्होंने कहा कि चेन्नई और पुडुचेरी में चुनाव से जुड़े सभी कार्यों की प्रगति का आकलन किया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर मतदान प्रक्रिया, कानून-व्यवस्था, ईवीएम की उपलब्धता, मतदान केंद्रों की तैयारी तथा आदर्श आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी।

स्पिरिचुअल टूरिज्म कॉरिडोर : आस्था से अर्थव्यवस्था तक बनेगा वैश्विक विकास का मॉडल

लखनऊ। दुनिया में जहां 'स्पिरिचुअल टूरिज्म' तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति बन रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश ने इसे विकास की रणनीतिक धुरी बना दिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में अयोध्या, काशी, मथुरा, मीरजापुर और नैमिषारण्य जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने 'हिन्दुस्तान समाचार' से बातचीत में कहा कि प्रदेश सरकार ने अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के लिए 150 करोड़ रुपये, मीरजापुर के त्रिकोणीय क्षेत्र के लिए 200 करोड़ रुपये, विंध्यधाम में अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये, काशी के लिए 100 करोड़ रुपये, नैमिषारण्य के लिए 100 करोड़ रुपये तथा 'मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना' के तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सरकार धार्मिक पर्यटन को संगठित आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रही है। पर्यटन के आंकड़े इस रणनीति की ताकत को दर्शाते हैं। जनवरी से जून 2025 के बीच 122 करोड़ पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश का दौरा किया, जिनमें 121 करोड़ से अधिक घरेलू और 33 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक शामिल रहे। यह संख्या कई देशों की कुल आबादी से अधिक है और यूपी को वैश्विक धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर अग्रणी स्थान देती है।

औषधीय पौधे भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की आधारशिलाः प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि औषधीय पौधे भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की आधारशिला ही नहीं बल्कि देश की जैविक और आर्थिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आयुर्वेद और अन्य आयुष पद्धतियों को मिल रही वैश्विक मान्यता भारत को गुणवत्तापूर्ण औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों का वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनने का अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा विज्ञान भवन में औषधीय पौधों पर एक दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए प्रतापराव जाधव ने कहा कि यह चिंतन शिविर 'विकसित भारत 2047' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य के अनुरूप है। औषधीय पौधों का क्षेत्र किसानों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं के लिए नई संभावनाएं खोलता है, विशेषकर वर्षा आधारित और सीमांत भूमि पर खेती के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में सहायक है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। शिविर का उद्देश्य औषधीय पौधों के क्षेत्र को सतत विकास, नवाचार और प्रभावी नीतियों के माध्यम से सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर मंत्री ने एनएमपीबी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर स्मारिका का विमोचन किया, 'टेरिस गार्डन पुस्तिका' जारी की तथा सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ द्वारा विकसित एनासाइलस पाईरीथ्रम की नई किस्म का लोकार्पण किया। साथ ही, एनएमपीबी और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद तथा अघारकर अनुसंधान संस्थान के बीच अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए।

महाशिवरात्रि में भीड़ को लेकर बड़ी पहल, चेन्नई से 1,240 विशेष बस चलाने की घोषणा

एजेंसी

चेन्नई । महाशिवरात्रि उत्सव के दौरान भारी यात्रा मांग की आशंका को देखते हुए, तमिलनाडु परिवहन प्राधिकरण ने यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए चेन्नई से राज्य के विभिन्न हिस्सों और पड़ोसी क्षेत्रों के लिए 1,240 विशेष बसों के संचालन की घोषणा की है। रविवार को महाशिवरात्रि होने के कारण, हजारों श्रद्धालु प्रमुख मंदिरों के दर्शन करने और अपने पैतृक शहरों में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। यात्रियों की संख्या में संभावित वृद्धि को देखते हुए, राज्य के परिवहन निगमों ने भीड़भाड़ को रोकने और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। अधिकारियों के अनुसार, विशेष सेवाएं मुख्य रूप से चेन्नई के किलंबक्कम बस टर्मिनस से तिरुवनमलाई, तिरुची, कुंभकोणम, मदुरै, तिरुनेलवेली और नागरकोइल

सहित प्रमुख गंतव्यों के लिए संचालित की जाएंगी। रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने बताया कि अकेले किलंबक्कम से 125 विशेष बसें चलाई जाएंगी। अगले दो दिनों में बसों की संख्या में काफी वृद्धि की जाएगी। शुक्रवार के लिए 500 बसें और अगले दिन के लिए 550 बसें निर्धारित की गई हैं ताकि भीड़भाड़ के चरम समय को संभाला जा सके। कोयंबेडु बस टर्मिनल से भी अतिरिक्त बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। अधिकारियों ने शुक्रवार और शनिवार को तिरुवनमलाई, नागपट्टिनम, वेलंकन्नी, होसुर और बेंगलुरु के लिए 55 विशेष बसें चलाने की योजना बनाई है, जो तीर्थयात्रियों और अंतर-शहरी यात्रियों दोनों की सुविधा प्रदान करेंगी। चेन्नई में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए, एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने बेंगलुरु, तिरुप्पुर, इरोड और कोयंबटूर से राज्य भर के विभिन्न गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 100 विशेष बसों की व्यवस्था की है। माधवरम से, दक्षिणी जिलों की ओर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों दिन 20 विशेष बसें चलाई जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य नियमित बस सेवाओं पर भीड़भाड़ को कम करना और त्योहार में भाग लेने वालों के लिए सुरक्षित और तेज यात्रा सुनिश्चित करना है।

रेलमंत्री से मिले सांसद अनुराग शर्मा, झांसी के सुगम यातायात पर की चर्चा

एजेंसी

झांसी। झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ महानगर के सुगम यातायात को लेकर सांसद अनुराग शर्मा ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद ने संसदीय क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान सांसद अनुराग शर्मा ने झांसी शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए हंसारी रोड पर फोर-लेन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विषय प्रमुखता से रखा। उन्होंने रेलमंत्री को अवगत कराया कि हंसारी क्षेत्र में जाम की समस्या से जनता को काफी कठिनाई होती है, अतः इस प्रोजेक्ट की जल्द वित्तीय स्वीकृति और निर्माण कार्य शुरू करना नितांत आवश्यक है। इसी क्रम में उन्होंने ललितपुर की रेल सुविधाओं को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से वहां 'कोच वाशिंग पिट लाइन' की स्थापना की मांग की ताकि ट्रेनों की साफ-सफाई और रखरखाव स्थानीय स्तर पर बेहतर ढंग से हो सके।क्षेत्रीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों को देखते हुए सांसद ने विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर महत्वपूर्ण लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव के विषय में भी रेलमंत्री से सार्थक वार्ता की। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास ही उनकी प्राथमिकता है और वह जनता की सुख-सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुरैना लोकसभा के सांसद शिव मंगल सिंह तोमर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। रेलमंत्री ने सभी विषयों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

राहुल गांधी ने कोई विजन पेश करने के बजाय सिर्फ प्रधानमंत्री को कोसा हैः बृजमोहन अग्रवाल

रफ़्तार हेडलाइन

नई दिल्ली। रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में बजट पर चर्चा में कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत की नींव रखने वाला है और इसकी विपक्ष द्वारा निंदा करना घोर निराशाजनक है। बृजमोहन अग्रवाल ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोई भी विज़न पेश करने के बजाय अब तक सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोसा है। जो पिछले 12 सालों से लगातार मेहनत करते हुए देश की तस्वीर बदलते जा रहे हैं। राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि राहुल को खुद पता नहीं कि उन्हें क्या कहना है। मोदी जी के बजट में सभी वर्गों के हितों का ख्याल रखा गया है। कस्टम ड्यूटी घटाने, 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, 1000 क्लीनिकल ट्रायल साइट्स की घोषणा के साथ सरकार का पूरा फोकस किसानों की समृद्धि पर है। बजट में कैंसर और शुगर समेत 17 दवाओं पर सीमा शुल्क खत्म कर दिया है। इसके अलावा कई प्रोडक्ट्स पर कस्टम ड्यूटी घटाए जाने से जूते, चप्पल, स्मार्टफोन समेत कई मिडिल क्लास के उपयोग

की चीजें सस्ती हो जाएंगी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए आवंटित किया है और सरकार का उद्देश्य चैंपियन एमएसएसई तैयार करना है। 5 मेडिकल हब में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी होगी, वहां आयुष केंद्र, डायग्नोस्टिक सर्विसेज, पोस्ट-केयर और रिहैब सेंटर विकसित किए जाएंगे, जिससे हेल्थ सेक्टर में रोजगार बढ़ेगा। इसके अलावा हाई क्वालिटी के आयुर्वेदिक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण महिलाओं के लिए शी-मार्ट्स का ऐलान किया गया है। ऐसी महिलाओं की अगुआई वाले तमाम बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए सेल्फ-हेल्प एंटरप्रेन्योर मार्ट्स शुरू किए जाएंगे, जहां महिलाएं अपने उत्पाद आसानी से बेच सकेंगी। इस दौरान वित्त मंत्री ने लखपति दीदी योजना की सफलता का भी जिक्र किया। इसके अलावा करीब 800 जिलों में छात्राओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे। हर जिले में कम से कम एक हॉस्टल बनाने का टारगेट है।

विपक्षी सांसदों ने किया ससंद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के 12वें दिन गुरुवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर के मकर द्वार के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते, लोकसभा अध्यक्ष के चैंबर में विपक्षी सांसदों पर लगे अभद्रता के आरोपों और कई अन्य मुद्दों को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, दीपेंद्र हुड्डा, समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव, जया बच्चन, प्रिया सरोज समेत बड़ी संख्या में विपक्षी सांसद मौजूद रहे। प्रदर्शनकारी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारेबाजी की। उनके हाथों में बैनर और पोस्टर थे जिन पर एमएसपी बचाओ, क्राइम हटाओ, ट्रैप डील जैसे नारे लिखे थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के विपक्षी सांसदों पर लोकसभा अध्यक्ष के चैंबर में घुसकर अभद्रता करने के आरोप लगाने पर सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमने किसी को गाली नहीं दी। एक-दो सांसद आक्रोशित थे और उन्होंने अपनी बात रखी। प्रियंका

ने कहा, रिजिजू ने कहा कि मैं उन्हें उकसा रही थी, यह झूठ है। मैं शांत बैठी थी और अंत में कुछ बातें शांति से कही थीं। राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि भाजपा राहुल गांधी के पीछे इसलिए पड़ी है क्योंकि उन्होंने इतने मुद्दे उठाए हैं जिनका भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है। इसलिए वह उन्हें निशाना बनाते रहते हैं, कभी विशेषाधिकार प्रस्ताव लाते हैं, कभी संसद से निष्कासित करते हैं। पंडित नेहरू ने देश बनाया, इंदिरा जी ने देश बनाया, राजीव गांधी ने देश बनाया। आज जो मोबाइल फोन और आईटी सेक्टर है, उसमें राजीव गांधी का योगदान है। मनमोहन सिंह ने आर्थिक सुधार किए। कांग्रेस ने देश बनाया और भाजपा उसे बेच रही है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने कहा कि क्या आपने कश्मीर से खबर सुनी? वहां के सेब उत्पादक पहले ही कह चुके हैं कि उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों से इसी तरह की प्रतिक्रियाएं आएंगी। जब सभी सेक्टर प्रभावित होंगे तो क्या विपक्ष चुप रहेगा? हम जनता की आवाज उठा रहे हैं। यही कारण है कि राहुल गांधी ने संसद में स्पष्ट भाषण दिया।

राज्यसभा में बोले खड़गे, सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं, संविधान की आत्मा है

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जातिगत भेदभाव का मुद्दा उठाया। सदन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम अक्सर दलितों, वंचितों और कमजोर वर्गों के उत्थान की बात करते हैं। अब समय है कि इन बातों को जमीन पर उतारने की ठोस पहल की जाए। सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा है और इसकी रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी में, जब हम सामाजिक विकास, सुधार और एकता की बातें करते हैं, तब ओडिशा की एक घटना हमें आईना दिखाती है। वहां एक आंगनवाड़ी केंद्र में सिर्फ इसलिए तीन महीनों से बहिष्कार चल रहा है क्योंकि भोजन एक दलित महिला हेल्पर और कुक द्वारा तैयार किया जा रहा है। समुदाय विशेष के कुछ लोग अपने बच्चों को वह भोजन देने से मना कर रहे हैं। यह सिर्फ एक महिला का अपमान नहीं है, बल्कि हमारे संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक चेतना की भी परीक्षा है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद गंभीर विषय है, जिस पर वह सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की बुनियाद होते हैं। अगर वहां जातिगत पूर्वाग्रह और भेदभाव की दीवार खड़ी कर दी जाएगी, तो उसका सीधा असर बच्चों के मन और उनके भविष्य पर पड़ेगा। छोटे-छोटे बच्चों के सामने जब इस तरह का भेदभाव होता है, तो अनजाने में उनके भीतर भी विभाजन और नफरत के बीज बो दिए जाते हैं। यह स्थिति संविधान के अनुच्छेद 21(क) के तहत शिक्षा के अधिकार की भावना को कमजोर करती है। साथ ही, अनुच्छेद 47 के तहत राज्य की यह जिम्मेदारी है कि वह पोषण स्तर को बढ़ाए और जनस्वास्थ्य में सुधार करे। अगर पोषण कार्यक्रम ही जातिगत सोच की भेंट चढ़ जाएं, तो यह राज्य के दायित्व पर भी सवाल खड़ा करता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस घटना को केवल एक सामाजिक विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे कार्यस्थलों पर होने वाले व्यापक जाति-आधारित भेदभाव के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। हाल के वर्षों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश में एक आदिवासी मजदूर के साथ हुई अमानवीय घटना सामने आई थी, जिसने हमें झकझोर कर रख दिया। गुजरात में एक दलित सरकारी कर्मचारी ने कथित उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। चंडीगढ़ में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की मृत्यु के बाद संस्थागत भेदभाव के आरोप सामने आए। ये सभी घटनाएं संकेत देती हैं कि जातिगत पूर्वाग्रह केवल समाज के किसी एक हिस्से तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी कहीं न कहीं मौजूद है।

उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 17 का स्पष्ट उल्लंघन है, जो समानता, भेदभाव निषेध और अस्पृश्यता उन्मूलन की गारंटी देते हैं। इसके साथ ही अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम जैसे सख्त कानून भी मौजूद हैं।

असम से 16 घुसपैठियों को वापस भेजा गया बांग्लादेश

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में घुसे 16 घुसपैठियों को बीती रात बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पोस्ट में दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूर्व में विपक्षी सरकार वोट बैंक के स्वार्थ में पिछले दरवाजे से अनजान लोगों को

असम में घुसपैठ करने की सुविधा प्रदान करती थी। आज असम सरकार राज्यवासियों के अस्तित्व सुरक्षा की खातिर अनजान घुसपैठियों के विरूद्ध परी तरह से कदम उठा रही है। यह आज सभी के सामने है। हमारे इसी कदम के चलते बीती रात असम में अवैध रूप से घुसे 16 बांग्लादेशी नागरिकों को जिस रास्ते से आए थे उसी रास्ते से वापस उनके देश भेज दिया गय है। उल्लेखनीय है कि असम से लगने वाली बांग्लादेश की सीमा पर जहां बीएसएफ के जवान सीमा की सुरक्षा में लगे हुए हैं, वहीं असम पुलिस भी किसी तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए अपनी ओर से हर संभव कदम उठा रही है।

सीबीआई ने एफसीआई के दो अधिकारियों को 30 हजार रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एफसीआई डिपो चंदौसी के प्रबंधक सुनील त्यागी और सहायक ग्रेड-2 सह डिपो प्रभारी अशोक कुमार को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि इन आरोपितों ने चावल के स्टैक पास करने के बदले पैसे की मांग की थी। यह राशि पहली किस्त के तौर पर ली जा रही थी। शिकायतकर्ता एक निजी फर्म चलाता है। वह एफसीआई बबराला डिपो में 16 स्टैक चावल जमा करने गया था। वह आगे 8 और स्टैक जमा करने की योजना बना रहा था। आरोप है कि सहायक ग्रेड-2 सह डिपो प्रभारी ने 16 स्टैक पास करने के बदले 50000 रुपये मांगे। शेष 8 स्टैक के लिए प्रति स्टैक 15000 रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। सीबीआई ने 11 फरवरी को शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया। इसके बाद एजेंसी ने जाल बिछाया। जांच में सामने आया कि रिश्वत की मांग प्रबंधक के साथ साजिश में की गई थी। सीबीआई ने बताया कि मामले की आगे जांच जारी है।

बांग्लादेश चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में सीमा पर बीएसएफ ने बढ़ाई चौकसी

एजेंसी

कोलकाता। बांग्लादेश में आज हो रहे संसदीय चुनाव को देखते हुए पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पूरी सीमा पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की है और गश्त को तेज कर दिया है। बुधवार रात से ही सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

सुंदरबन के तटीय क्षेत्रों से लेकर उत्तर बंगाल के सीमावर्ती जिलों तक हाई अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएफ ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। बीएसएफ के पूर्वी कमान मुख्यालय में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश में चुनाव के दौरान संभावित हिंसा और अस्थिरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। आशंका जताई जा रही है कि अशांति की स्थिति में अपराधी या संदिग्ध तत्व सीमा पार कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं। । सीमा के नदीय और दुर्गम इलाकों में भी गश्ती दलों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जहां पहले अवैध गतिविधियों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुंदरबन से सटे वन और तैनात किया है। गश्त की आवृत्ति बढ़ाई गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए निगरानी सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ या अवैध गतिविधि को रोका जा सके।'

समुद्री क्षेत्रों में खास तौर पर निगरानी बढ़ाई गई है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूरी सीमा पर अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। थर्मल इमेजर, नाइट विजन डिवाइस, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। अधिकारी ने कहा, 'हमने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल बीएसएफ स्थानीय प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही है। सीमावर्ती गांवों में भी लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना की सत्ता के तख्ता पलट के बाद बांग्लादेश में पहली बार आम चुनाव हो रहे हैं।

पुणे में बंगाल के प्रवासी मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता बनर्जी, बोलीं- नफरत को हथियार बनाया जा रहा है

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाराष्ट्र के पुणे में बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम करार देते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 वर्षीय प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई।' ममता बनर्जी ने कहा, 'यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला गया। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है। ' मुख्यमंत्री ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा

की मांग की। उन्होंने कहा, 'मैं मांग करती हूं कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी सजा दी जाए। सुखेन के परिवार से मैं कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है। न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। '

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों, खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर हमलों के मुद्दे पर आवाज उठाई है। वह पहले भी देशभर में बंगाली भाषी लोगों के साथ कथित उत्पीड़न के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरती रही हैं। यह प्रतिक्रिया उस घटना के एक दिन बाद आई है, जिसमें पुरुलिया जिले के एक प्रवासी मजदूर की महाराष्ट्र में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व का आरोप है कि सुखेन महतो की हत्या इसलिए की गई क्योंकि वह बंगाली भाषा बोलता था।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मृतक का नाम सुखेन महतो है और वह पुरुलिया के बंडवान का निवासी था। बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर पुलिस थाने के अंतर्गत कोरेगांव भीमा क्षेत्र से उसका शव बरामद किया गया। आरोप है कि उसे बंगाली में बात करने के कारण पीट-पीटकर मार डाला गया। इस मामले में उसके बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया है कि सुखेन वर्ष 2021 से पुणे में प्रवासी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। वह कोरेगांव भीमा के पास सनतबाड़ी इलाके में एक कार पार्ट्स निर्माण कंपनी में कार्यरत था। उसका शव उसी इलाके से बरामद किया गया।

सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में लगाएंगे आस्था की डुबकी, इस पर रहेगी विश्व की निगाह

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व का आयोजन विश्व के लिए अद्वितीय है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाएंगे। इस महापर्व पर विश्व की निगाह रहेगी। सिंहस्थ-2028 मध्य प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के पवित्र अनुष्ठानों में शामिल हो सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव देर शाम उज्जैन में सिंहस्थ 2028 अंतर्गत मंत्री मंडलीय समिति से अनुशंसित अधोसरंचना के प्रगतिरत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैठक में अलग-अलग विभागों के माध्यम से सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर समीक्षा की। उन्होंने उज्जैनवासियों से सेवाभाव की तरह कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ 2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा के दौरान गेहूं की फसल की सिंचाई के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिप्रा नदी पर घाट निर्माण के दौरान किसानों को पानी की उपलब्धता बनी रहनी चाहिए। इसके लिए नर्मदा जल की आपूर्ति की जाए। वतर्मान में गेहूं की फसल को सिंचाई के लिए एक पानी की और जरुरत होगी। इसके लिए शिप्रा नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित बनाए रखे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि सभी अधिकारी गंभीरता के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और संजय दुबे को निर्देश दिए है कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के काम में किसी भी तरह की रुकावट न आए। इसके लिए मुख्यमंत्री निवास पर भी सिंहस्थ सेल गठित कर मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाये और जिन विभागों में अधिकारियों की कमी है, वहाँ पदस्थापना तत्काल की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अनुभवी अधिकारियों के लिए यदि सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को रखना है तो उसके लिए भी नियमानुसार कार्यवाही कर तत्काल रुप से उन्हें रखा जाए। सिंहस्थ-2028 के लिए अब रिवर्स कैलेंडर बनाकर निर्माण कार्य तीव्र गति से पूर्ण करें। वर्तमान समय से लेकर सिंहस्थ-2028 तक दो वर्षाकाल का समय आने वाला है। इसलिए समय-सीमा में काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना अनिवार्य है।

टी20 विश्वकप : कप्तान दासुन शनाका की रिकॉर्ड तोड़ पारी, टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने ओमान को बुरी तरह हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सह-मेजबान श्रीलंका ने पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में ओमान पर 105 रनों की शानदार जीत दर्ज की। कप्तान दासुन शनाका के रिकॉर्ड तोड़ अर्धशतक और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कुसल मेंडिस (45 गेंदों में 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंदों में 60 रन) और दासुन शनाका (20 गेंदों में 50 रन) ने बल्ले से दबदबा बनाया, जबकि महेश थीक्षाना (4 ओवर में 2/11) और दुशमंथा चमीरा (20 ओवर में 2/19) ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका ने पावरप्ले के दौरान शुरुआती झटके झेले, जिसमें कामिल मिश्रा (8) और पथुम निस्संका (13) आउट हो गए। हालांकि, ओमान द्वारा उलटफेर करने की कोई भी उम्मीद कुसल मेंडिस और पवन रत्नायके के बीच महज 50 गेंदों में खेली गई 94 रनों की तूफानी साझेदारी के सामने जल्द ही खत्म हो गई। रत्नायके ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 28 गेंदों में 60 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। 14वें ओवर में उनके आउट होने के बाद दासुन शनाका के आने से ओमान की टीम ने और भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

शनाका ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिर्फ 19 गेंदों में श्रीलंकाई बल्लेबाज द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाने का सबसे तेज रिकॉर्ड कायम किया। पांच छक्के और दो चौकों सहित उनकी नाबाद पारी ने श्रीलंका को 20 ओवरों में 225/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया - जो टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। 226 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान की बल्लेबाजी शुरू होने से पहले ही लड़खड़ा गई। दुशमंथा चमीरा ने पहले छह ओवरों में दो विकेट लेकर जतिंदर सिंह को एक रन पर और हम्माद मिर्जा को नौ रन पर आउट कर दिया।

अनुभवी मोहम्मद नदीम ने भले ही कुछ हद तक संघर्ष की उम्मीद जगाई हो, लेकिन चोटिल वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति में श्रीलंका के स्पिन-प्रधान आक्रमण के सामने ओमान की टीम पूरी तरह से पस्त हो गई। नदीम की 56 गेंदों पर खेली गई 53 रनों की जुझारू पारी ने उन्हें टी20 विश्व कप इतिहास में अर्धशतक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का खिताब दिलाया, लेकिन यह ओमान के लिए काफी नहीं था। बढ़ते आवश्यक रन रेट के आगे मध्य क्रम बिखर गया, हालांकि महेश थीक्शाना और दुनीथ वेल्लालगे ने दबाव बनाए रखा। अंततः ओमान ने अपने 20 ओवरों में 120/9 का स्कोर बनाया, जो लक्ष्य से काफी कम था।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, 'शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं।' सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे।

कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

टी20 वर्ल्ड कप : मोस्का भाईयों की धमाकेदार बल्लेबाजी से इटली ने नेपाल को दस विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। मोस्का भाईयों की आक्रामक बल्लेबाजी से इटली ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में नेपाल को दस विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की है। इटली की टीम की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। उसे पहले मैच में स्कॉटलैंड ने आसानी से हरा दिया था पर इस मैच से उसने धमाकेदार वापसी की है। इस मैच में टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 19.3 ओवर में 123 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इटली ने केवल 12.4 ओवर में ही 124 रन बनाकर हासिल कर लिया। टीम की ओर से जस्टिन मोस्का ने 44 गेंद में नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में नाबाद 62 रन बनाये।

इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मोस्का भाइयों ने तेज शुरुआत की ओर दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। पहले चार ओवर में ही दोनों ने मिलकर 50 रनों से अधिक बना दिये। इसके बाद जब पावर प्ले में भी अच्छी बल्लेबाजी की। जस्टिन ने 44 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 60 रन जबकि एंथनी मोस्का ने 32 गेंद में 6 छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद 62 रन बनाये।

टी20 वर्ल्ड कप: ईशान किशन ने खेली धमाकेदार अर्धशतकीय पारी, रोहित-अभिषेक की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के सलामी बल्लेबाज़ ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ ऐसी तूफानी पारी खेली, जिसने पावरप्ले बल्लेबाज़ी की नई मिसाल पेश कर दी। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए किशन ने मैच की दिशा शुरुआती छह ओवरों में ही तय कर दी। 24 गेंदों पर 61 रन की उनकी आक्रामक पारी में चौकों-छक्कों की बारिश देखने को मिली। इस प्रदर्शन के साथ ईशान ने टी20 इंटरनेशनल में पावरप्ले में भारत के लिए 50 रन बनाने वाले चुनिंदा बल्लेबाज़ों की सूची में अपनी जगह और मजबूत कर ली।

पावरप्ले में 50 रन: खास क्लब में भारतीय बल्लेबाज

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले छह ओवर यानी पावरप्ले सबसे अहम माने जाते हैं। इसी दौरान मैच की रफ्तार तय होती है। भारत की ओर से 1-6 ओवर के भीतर 50 रन बनाने का कारनामा बहुत कम बल्लेबाज कर पाए हैं। इस खास सूची में सबसे ऊपर अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि तीन बार हासिल की है। उनके बाद रोहित शर्मा और ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने दो-दो बार पावरप्ले में 50 रन पूरे किए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी एक-एक बार यह कमाल कर चुके हैं।

टी20आई में भारत के लिए 1-6 ओवर में फिफ्टी

अभिषेक शर्मा (तीन बार)
रोहित शर्मा (दो बार)
ईशान किशन (दो बार)
केएल राहुल (एक बार)
यशस्वी जायसवाल (एक बार)

नामीबिया के खिलाफ ईशान का तूफान

दिल्ली में खेले गए मुकाबले में ईशान किशन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। नामीबिया के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाते हुए उन्होंने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। ईशान ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनकी पारी का सबसे खास पल रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 शानदार छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पावरप्ले के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय ओपनिंग रणनीति का नया चेहरा

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाने की रणनीति अपनाई है। रोहित शर्मा और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ों ने इसकी नींव रखी, जबकि अभिषेक शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों ने इसे आगे बढ़ाया। ईशान किशन का नाम इस सूची में शामिल होना

यह दर्शाता है कि वह बड़े मंच पर भी आक्रामक खेल दिखाने में सक्षम हैं। उनकी बल्लेबाज़ी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांग के अनुरूप है—तेज रन, कम जोखिम और मैच पर शुरुआती नियंत्रण।

संजू सैमसन टी20 विश्व कप में डेब्यू करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज भारतीय बने, देखें टॉप 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और नामीबिया आमने-सामने हैं। इस मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने आखिरकार टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। 31 साल 93 दिन की उम्र में डेब्यू करते ही वह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करने वाले उम्रदराज खिलाड़ी- संजू सैमसन का यह डेब्यू सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि एक आंकड़ों वाला मुकाम भी है। भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के समय सबसे अधिक उम्र का रिकॉर्ड अमित मिश्रा के नाम है, जिन्होंने 2014 में पाकिस्तान के खिलाफ मीरपुर में 31 साल 117 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था। सैमसन अब इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। उनसे नीचे सूर्यकुमार यादव (31 साल 40 दिन, 2021 बनाम पाकिस्तान), आशीष नेहरा (31 साल 2 दिन, 2010 बनाम अफगानिस्तान) और लक्ष्मीपति बालाजी (30 साल 358 दिन, 2012 बनाम अफगानिस्तान) आते हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम में टी20 वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका कई बार अनुभवी खिलाड़ियों को भी देर से मिलता है।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई । इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली। इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

टी20 विश्व कप : भारत के लिए चिंताजनक खबर, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेगा ये धमाकेदार बल्लेबाज !

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नामीबिया के खिलाफ खेले गए मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है। अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच के दौरान उन्हें वायरल बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया। दिल्ली पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और पेट में संक्रमण का पता चला, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में समय लगेगा। हालांकि वे टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया और सिर्फ मैदान पर घूमते हुए नजर आए। कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि सलामी बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें वापसी के लिए एक या दो और मैच खेलने की जरूरत पड़ सकती है। सूर्यकुमार ने टॉस के बाद कहा कि अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, वे एक-दो मैच नहीं खेल पाएंगे। संजू टीम में आए हैं, वे भी अभिषेक जैसे ही विस्फोटक बल्लेबाज हैं। बुमराह सिराज की जगह आए हैं। बीसीसीआई ने भारतीय सलामी बल्लेबाज की सेहत के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम फिलहाल अभिषेक की सेहत पर नजर रख रही है। बीसीसीआई ने ट्वीट किया कि अभिषेक शर्मा अभी भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं और चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर कड़ी नजर रख रही है।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे। फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

लियोनेल मेस्सी चोटिल, इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवतः हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।'

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी। यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है। ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं। अफगानिस्तान की टीम को इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा था।

पीएसएल 2026 सीज़न : स्टीव स्मिथ बने इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी, सियालकोट स्टैलियंस से जुड़े

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 11वें सीज़न से पहले हुए मेगा ऑक्शन ने क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सियालकोट स्टैलियंस ने डायरेक्ट साइनिंग के तहत PKR 14 करोड़ (करीब 5 लाख अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया, जिससे वह क्करु इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। लीग के प्रारूप में बड़े बदलाव, दो नई फ्रेंचाइजी की एंट्री और ड्राफ्ट की जगह पहली बार ऑक्शन सिस्टम ने इस बार के सीज़न को और भी हाई-प्रोफाइल बना दिया है।

स्टीव स्मिथ की रिकॉर्डतोड़ डील

अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ को नई टीम सियालकोट स्टैलियंस ने सीधे साइन किया। यह रकम PSL के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी को मिली सबसे बड़ी राशि है। स्मिथ, जो टी20 फॉर्मेट में अपनी स्थिरता और मैच कंट्रोल के लिए जाने जाते हैं, 11वें एडिशन में टीम के ब्रांड एंबेसडर और मुख्य बल्लेबाजी स्तंभ की भूमिका निभाएंगे। स्मिथ हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल मिशेल मार्श की जगह लेने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे में उनका PSL में आना लीग की ग्लोबल अपील को और मजबूत करता है।

ड्राफ्ट से ऑक्शन तक : PSL का बड़ा बदलाव

PSL ने इस सीज़न से ऐतिहासिक बदलाव करते हुए ड्राफ्ट सिस्टम की जगह प्लेयर्स ऑक्शन मॉडल लागू किया है। पिछले दस वर्षों से ड्राफ्ट फॉर्मेट में चल रही लीग अब इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की तरह बोली-प्रक्रिया के जरिए खिलाड़ियों को चुन रही है। लीग का विस्तार भी हुआ है—अब टीमों की संख्या छह से बढ़कर आठ हो गई है। सियालकोट और हैदराबाद दो नई फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल हुई हैं। इससे प्रतियोगिता और व्यावसायिक आकर्षण दोनों में इजाफा होने की उम्मीद है।

ऑक्शन में विदेशी सितारों की चमक

लाहौर में आयोजित ऑक्शन में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नाम शामिल रहे। डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, डेरिल मिशेल, मार्क चैपमैन, मुस्तफिजुर रहमान, डेवोन कॉनवे, रिली रोसौ, तबरेज शमशी, दासुन शनाका, कुसल मेंडिस और मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों ने दिलचस्पी दिखाई। कुल मिलाकर आठों टीमों ने 103 खिलाड़ियों को अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जिससे आगामी सीज़न के लिए संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार हुई हैं।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी

तेज़ गेंदबाज़ नसीम शाह इस ऑक्शन में सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। उन्हें इस्लामाबाद यूनाइटेड ने PKR 8.65 करोड़ में खरीदा। उनके साथ ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी उसी टीम में PKR 8.5 करोड़ में शामिल हुए। रिटेंशन में पेशावर जाल्मी ने बाबर आजम को PKR 7 करोड़ में बरकरार रखा, जबकि सबसे महंगा रिटेंशन सैम अयूब रहे, जिन्हें 12.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया।

नई फ्रेंचाइजी और बड़े निवेश

सियालकोट और हैदराबाद फ्रेंचाइजी के राइट्स विदेशी पाकिस्तानी निवेशकों ने क्रमशः PKR 185,000 करोड़ और PKR 175,000 करोड़ में हासिल किए। नए स्वामित्व ढांचे के बाद मुल्तान सुल्तांस का भी पुनर्गठन हुआ और टीम का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया। यह निवेश दिखाता है कि PSL अब वैश्विक क्रिकेट लीग्स में अपनी मजबूत आर्थिक स्थिति बना रहा है।

फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है

अभिनेत्री जोया आफरोज इन दिनों वेब सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री धर्म को लेकर कभी भेदभाव नहीं करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में फिल्म 'गांधी टॉक्स' की स्क्रीनिंग में शिरकत की थी। इस साइलेंट फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार ए. आर. रहमान ने दिया है। स्क्रीनिंग के दौरान अभिनेत्री ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने ए. आर. रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान को सिरे से नकारते हुए कहा कि उनके धर्म के होने के बावजूद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में अब तक धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव झेलना नहीं पड़ा। जोया ने कहा, 'मेरा पर्सनल अनुभव अब तक ऐसा नहीं रहा है, और मुझे उम्मीद है कि आगे भी ऐसा नहीं होगा। हमारे देश में हम एकता और विविधता का जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है कि हमें यही भावना हमेशा बनाए रखनी चाहिए।' जोया ने आगे फिल्मों की सामाजिक जिम्मेदारी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्में समाज का आईना होती हैं; वे जिंदगी को वैसा ही दिखाती हैं, जैसा है। अगर कोई फिल्म बच्चों के लिए नहीं है, तो उन्हें नहीं दिखानी चाहिए। इसीलिए सर्टिफिकेशन सिस्टम है। मुझे लगता है कि इसे ऐसे ही रखना चाहिए।' 'गांधी टॉक्स' की बात करें तो यह फिल्म गांधी जी की तस्वीर को नोटों पर देखने और उनके आदर्शों के बीच के फर्क की कहानी को दिखाती है। इसकी कहानी एक ऐसे युवा व्यक्ति के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसों के लिए संघर्ष करता है। उसकी जिंदगी में एक चोर की एंट्री होती है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। फिल्म व्यंग्य के जरिए समाज और मूल्यों पर सवाल उठाती है।

मैं फेल हो सकती हूं मगर हार नहीं मानूंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।'
नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।
पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

शाहरुख के साथ 'मैं हूं ना 2' बनाने पर अब फराह खान ने तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ वक्त से फराह खान की पहली निर्देशित फिल्म 'मैं हूं ना' के सीक्वल बनने को लेकर चर्चाएं तेज हैं। कई रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि शाहरुख खान और फराह खान एक बार फिर 'मैं हूं ना 2' के लिए साथ आ रहे हैं। अब इन चर्चाओं पर खुद फराह खान ने प्रतिक्रिया दी है। जानिए कोरियोग्राफर-निर्देशक ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर क्या बताया? एक बयान में फराह ने 'मैं हूं ना 2' को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्पष्ट तौर पर प्रतिक्रिया दी। फराह ने साफ तौर पर 'मैं हूं ना 2' की खबरों को खारिज करते हुए कहा, 'इन सभी अफवाहों पर विश्वास न करें।' फराह के इस बयान के बाद ये स्पष्ट हो गया है कि 'मैं हूं ना 2' नहीं बन रही है। ऐसे में शाहरुख और फराह की हिट फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे दर्शकों को निराशा हाथ लगी है।

फराह खान की बतौर निर्देशक पहली फिल्म है 'मैं हूं ना'

साल 2004 में आई 'मैं हूं ना' फराह खान द्वारा निर्देशित पहली फिल्म है। इस फिल्म में शाहरुख खान प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनके साथ जायेद खान, अमृता राव, सुनील शेट्टी और सुष्मिता सेन भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'मैं हूं ना' एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक्शन भी दिखता है। फिल्म में शाहरुख खान ने मेजर राम का किरदार निभाया है, जो एक लड़की की सुरक्षा में एक कॉलेज में नकली स्टूडेंट बनकर पहुंचता है। वहां उसकी मुलाकात अपने भाई लक्ष्मण से होती है। इसके बाद कहानी कई मोड़ लेते हुए अंत में देशभक्ति पर आकर ठहरती है।

फराह ने आखिरी बार 'हैप्पी न्यू ईयर' का किया था निर्देशन

फराह खान के निर्देशन में शाहरुख खान ने तीन फिल्मों में काम किया है। इनमें 'मैं हूं ना' के अलावा 'ओम शांति ओम' और 'हैप्पी न्यू ईयर' भी शामिल है। फराह खान ने आखिरी बार 2014 में आई 'हैप्पी न्यू ईयर' को डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण प्रमुख भूमिका में थीं।

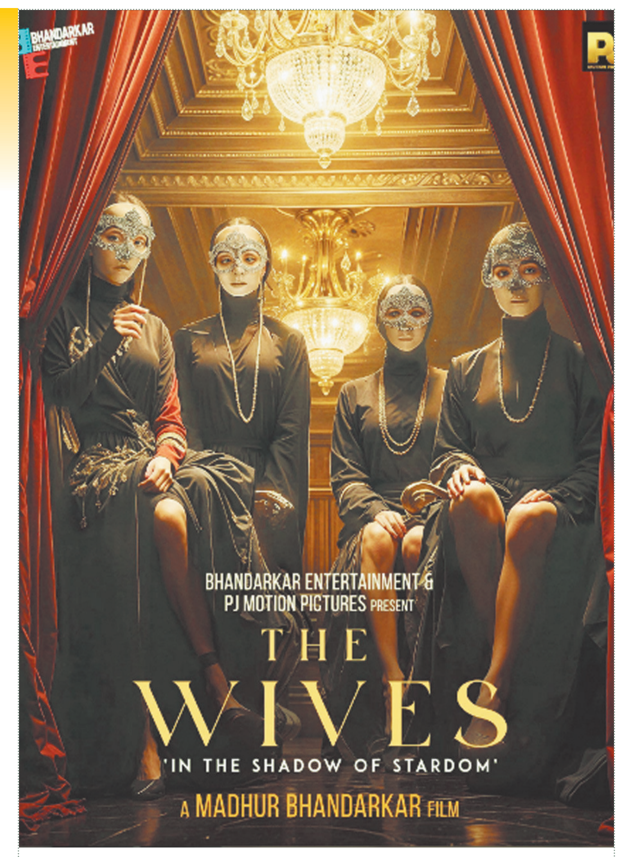

ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करती है 'द वाइव्स'

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं। यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।' पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।'

मैं एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं

एक्टिंग की दुनिया में तकरीबन ढाई दशकों में हर तरह की भूमिकाओं में जान डालने वाले शाहिद कपूर किरदारों के मामले में रिस्क लेने से नहीं हिचकिचाते। रूमानी किरदारों में सराहे गए शाहिद ने अपनी उस चॉकलेटी बॉय की इमेज से निकलने के लिए 'कमीने' जैसी ग्रे शेड वाली भूमिका करने से भी परहेज नहीं किया। 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह', 'जर्सी' और 'फर्जी' जैसी अलग-अलग किरदार कर चुके शाहिद इन दिनों 'ओ रोमियो' में एक अलग अंदाज में दिख रहे हैं। उनसे खास बातचीत।

करियर की शुरुआत में आप ऑडिशन दर ऑडिशन देते जाते थे और आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं?
क्या वाकई मेरे लिए रोल लिखे जाते हैं? मैं खुद को इतनी अहमियत नहीं देता, मगर ये सच है कि 'इश्क विश्क' से पहले मैं तकरीबन 200 ऑडिशन कर चुका था। मैं समझता हूं कि एक कलाकार को खुद को समय के साथ संवारते और निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए। मैं तो शुरुआत से ही एक समय में एक ही फिल्म करने में यकीन रखता हूं। आज हमारी पूरी फिल्म फ्रेटर्निटी इस बात को समझ चुकी है कि हमें एक वक्त में एक ही फिल्म पर फोकस करना होगा।

आपने शुरुआत रोमांटिक रोल्स से की, मगर आगे चल कर आप 'कमीने', 'उड़ता पंजाब', 'कबीर सिंह' और 'फर्जी' जैसी भूमिकाओं की तरफ झुक गए?
एक अदाकार के रूप में आपको लड़ना पड़ता है, साबित करना पड़ता है कि आप सिर्फ एक ही तरह की भूमिका नहीं बल्कि कई तरह के रोल्स कर सकते हैं। क्या होता है न कि जब आपको एक रोल में सक्सेस मिल जाती है, तो लोग उसी तरह के किरदार ऑफर करने लगते हैं, तो आपको उससे अलग हटकर करने का जुनून होना चाहिए कि मुझे किसी एक बॉक्स में मत डालो, वरना आप उस लूप में फंस जाते हैं।

फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ आपकी जोड़ी और केमिस्ट्री काफी अलग मानी जाती है, हमने सुना है कि आपने उनके निर्देशन वाली 'हैदर' के लिए आपने अपनी फीस नहीं ली थी?
हां, मैंने उस फिल्म के लिए पैसे नहीं लिए थे। अगर मैं अपनी फीस लेता तो वो फिल्म नहीं बन पाती, क्योंकि वो फिल्म काफी एक्सपेरिमेंटल थी। जब मुझे उस फिल्म का प्रस्ताव मिला, तो मुझे लगा कि अगर ये कहानी हम बना पाए और मैं इस रोल को कर पाया, तो ये फिल्म मेरे लिए एक खास फिल्म साबित होगी। कमाल की बात ये है कि वो उसी तरह की फिल्म साबित हुई, सच कहूं, तो वो पैसे वाली फिल्म थी ही नहीं। एक एक्टर और सिनेमा प्रेमी को भाने वाली फिल्म थी वो। तो कभी-कभी ऐसी फिल्में एक कलाकार को कर लेनी चाहिए।

आप मीशा और ज़ैन जैसे दो बच्चों के पिता हैं, क्या बच्चे आपके स्टारडम से वाकिफ हैं? वो आपकी फिल्में देखते हैं?
बिल्कुल वाकिफ हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि उनके पिता क्या काम करते हैं। जहां तक फिल्मों की बात है, तो जो फिल्में वो देख सकते हैं, जरूर देखते हैं। जाहिर है, मेरी सभी फिल्में बच्चों के देखने योग्य नहीं होती। (मुस्कुराते हैं) उन्होंने 'जब वी मेट' देखी थी, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' भी उन्हें पसंद आई थी। मेरी स्वीट फिल्में उन्होंने देखी हैं।

अपने करियर में आप सबसे मुश्किल दौर से कब गुजरे?

मुश्किल दौर हर समय होता है। देखिए हमारी इंडस्ट्री में रेलेवंस, सामयिकता बहुत जरूरी है, एक एक्टर और स्टार के रूप में। ये दोनों चीजें साथ में चलती हैं। लोग मुझसे परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं और ये भी कहते हैं कि मुझमें एक तरह का स्टारडम है, तो फिर उसे एक साथ में लेकर चलना बड़ा मुश्किल होता है। मुझे किसी इमेज में बंधना पसंद नहीं है। कभी-कभी स्टारडम आपको बांध देता है कि यही करो, यही अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि मैं खुलकर एक्सप्लोर करूं, अलग भूमिकाएं करूं, मगर साथ ही मैं स्टारडम भी चाहता हूं, तो फिर वो जद्दोजहद जो होती है, उसे मैनेज करना बहुत मुश्किल होता है। फिर आजकल दर्शकों का मूड बदलता रहता है। कभी-कभी लगता है कि उनका मूड अच्छा है और कभी लगता है कि क्या अजीब-सा मूड है। तो ये आसान नहीं है।

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्त्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं।

पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित – इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी – कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड – झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति – रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।